बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 197 | गुरुवार 07 नवंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

PM मोदी ने ट्रंप को दी बधाई

नई दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 के नतीजे आ गए हैं। इसके साथ ही रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति 47वें राष्ट्रपति चुने गए हैं। शुरूआती रुझानों से ही ट्रंप कमला हैरिस से काफी आगे चल रहे हैं। इसके बाद ट्रंप को सोशल मीडिया पर जीत की बधाइयां भी मिलने लगी हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी है। पीएम मोदी ने लिखा, ऐतिहासिक जीत पर मेरे दोस्त को बधाई, जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हूं। आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें।

राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही भारत आएंगे डोनाल्ड ट्रंप!

भारत में आयोजित होने वाला है क्वाड शिखर सम्मेलन 2025 ,ट्रंप ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2020 में भारत की यात्रा की थी

नई दिल्ली।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति का पद दोबारा संभालने वाले रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप को इस बार भारत आने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। क्वाड देशों (अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान व भारत का संगठन) के शीर्ष नेताओं की आगामी बैठक भारत में ही होनी है।भारत ने इस सम्मेलन की तिथि तय नहीं की है लेकिन पहले बताया गया है कि संभवतः जुलाई-अगस्त, 2025 में शिखर सम्मेलन की तारीख तय की जा सकती है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो यह पहला मौका होगा कि राष्ट्रपति पद संभालने के पहले वर्ष के भीतर ही किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की यात्रा की हो। यदि ट्रंप सत्ता संभालने के पहले वर्ष ही भारत आते हैं तो वह ऐसा करने वाले प्रथम राष्ट्रपति बन सकते हैं।शीतयुद्ध के दौर (1950 से 1990 तक का दशक) में विरले ही कोई अमेरिकी राष्ट्रपति भारत की यात्रा पर आता था लेकिन पिछले पांच के पांच अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भारत का दौरा किया है। अभी सितंबर 2023 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आये थे। हालांकि, बाइडन द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा पर भारत नहीं आ पाये हैं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2020 में भारत की यात्रा की थी। पीएम मोदी ने ट्रंप के पिछले कार्यकाल में कुल तीन बार मुलाकात की और हर मुलाकात भारत-अमेरिकी रिश्तों के लिहाज से मील के पत्थर साबित हुए। इन दोनों के बीच पहली मुलाकात जून, 2017 में हुई थी। कुछ महीने पहले ही राष्ट्रपति बने ट्रंप ने मोदी को व्हाईट हाउस में रात्रि भोज पर आमंत्रित किया।

[सुविचार]

"जीवन में सबसे बड़ा खतरा कोई जोखिम नहीं उठाना है।"

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद की सबा ने वर काउंटी बोर्ड का चुनाव जीता

गाजियाबाद । गाजियाबाद की बेटी सबा हैदर अमेरिका में ड्यूपेज काउंटी बोर्ड का चुनाव जीत गई हैं। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार पैटी गुस्टिन को करीब 9000 वोटों से हराया है। सबा हैदर मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार थीं। उनकी जीत पर गाजियाबाद और बुलंदशहर में खुशी का माहौल है। सबा हैदर का परिवार मूल रूप से बुलंदशहर जिले में कस्बा औरंगाबाद का रहने वाला है। फिलहाल ये परिवार गाजियाबाद के विजयनगर इलाके में रहता है। सबा के पिता अली हैदर जल निगम से रिटायर अभियंता हैं और मां महजबीं हैदर गाजियाबाद में एक स्कूल चलाती हैं। गाजियाबाद में रहता है परिवार संजय नगर में उनके पिता उत्तर प्रदेश जल निगम में सीनियर इंजीनियर के पद से रिटायर हुए हैं और फैमिली में इनकी मां अपना एक स्कूल चलाती हैं। वहीं बड़े अब्बास हैदर और छोटे भाई जीशान हैदर है। इंटर होली चाइल्ड स्कूल से सबा ने पढ़ाई की है। उसके बाद बीएससी आरसीसी गर्ल्स कॉलेज से पढ़ाई की। वहां पर बीएससी में गोल्ड मेडलिस्ट उसके बाद इन्होंने एमएससी अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से वाइल्डलाइफ साइंसेज में भी इन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया और 2007 में यह शादी होने के बाद अपने पति के साथ अमेरिका शिफ्ट हो गई थी। जानकारी के मुताबिक लगभग 9000 वोटों से जीत हासिल की है। यहां 9.30 लाख मतदाता हैं। उनके कार्य क्षेत्र के अंदर नौ जिले और टाउन आएंगे। उन्होंने पूरे देश-दुनिया में अपने घरवालों का नाम, अपने देश का नाम और अपने वतन का नाम रोशन किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क चौड़ीकरण के लिए अवैध निर्माण ढहाने के मनमाने रवैये पर बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आप बुलडोजर लेकर रातोंरात घर नहीं तोड़ सकते। कार्रवाई के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। अवैध रूप से तोड़फोड़ पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को 25 लाख रुपये अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह आदेश प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जेबी पाडीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने उत्तर प्रदेश के महाराजगंज से मनोज टिबरेवाल आकाश द्वारा भेजी गई शिकायत पर स्वतः संज्ञान लेकर की गई सुनवाई में दिए।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को कैबिनेट से मिली मंज़ूरी

नई दिल्ली प्रधानमंत्री की कैबिनेट ने मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस योजना का उद्देश्य वित्तीय दिक्कतों की वजह से भारत के किसी भी युवा को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता देने का है। इस योजना के तहत देशभर के 22 लाख से अधिक छात्रों को कवर किया जाएगा। यह योजना पूर्ण रूप से गारंटर मुक्त शिक्षा ऋण के लिए सक्षम करेगा। इसे छात्रों के अनुकूल और डिजिटल एप्लीकेशन प्रक्रिया के माध्यम से बेहद ही सरल बनाया गया गया ताकी ज्यादा से ज्यादा छात्र इस योजना का लाभ उठा सकें। इस

योजना का लाभ उठाने के लिए छात्र सीधे ऑनलाइन पोर्टल vidyalakshmi.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। आवेदन से पहले आपको 10वीं कक्षा में दर्ज नाम, मोबाइल नंबर एवं वैलिड ईमेल आईडी के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर लें और उसके बाद अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर लें। वेबसाइट पर लोन को एटक में कैलकुलेट करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक अभी लोन की व्यवस्था देश के शीर्ष 860 उच्च शिक्षण संस्थानों में एडमिशन लेने वाले मेधावी छात्रों को शिक्षा लोन प्रदान किया जाएगा।

किसानों को 48 घंटे के भीतर किया जाए धान खरीद का भुगतान: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धान खरीद प्रक्रिया को पूरी तत्परता और पारदर्शिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए है। बुधवार को अपने सरकारी आवास धान खरीद की समीक्षा के दौरान उन्होंने साफ कहा कि सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है, धान खरीद में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धान क्रय के 48 घंटे के भीतर किसानों का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रय केंद्रों पर किसानों के बैठने, पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। क्रय केंद्रों में बोरे की कमी कहीं न हो। टोकन व्यवस्था के माध्यम से ही खरीद की जाए। सभी क्रय केंद्रों पर वर्षा तथा अन्य प्राकृतिक आपदा से धान की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध किए जाएं। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की जाए और सभी केंद्रों पर कर्मचारियों की उपस्थिति की निगरानी मुख्यालय स्तर से की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने पात्र परिवार को राशन उपलब्ध कराने जाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभाग ने फेयर प्राइस शाप को माडल फेयर प्राइस शाप बनाने की कार्रवाई को आगे बढ़ाया है।

सुप्रीम कोर्ट से मदरसों को बड़ी राहत, मदरसा एक्ट को बताया संवैधानिक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज बड़ा फैसला सुनाते हुए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को संवैधानिक करार दिया है। कोर्ट ने इसी के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को भी खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा

अधिनियम को रद्द किया गया था। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के फैसले के बाद राज्य के मदरसों को मान्यता मिलने और उनके संचालन में स्थायित्व आने की संभावना है। अदालत ने माना कि एक्ट के प्रावधान संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं और ये धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं। मदरसा शिक्षा को लेकर नियम बना सकती है सरकार SC ने कहा कि सरकार मदरसा शिक्षा को लेकर नियम बना सकती है। किसी छात्र को धार्मिक शिक्षा के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। रउ ने यह भी कहा कि मदरसा बोर्ड फाजिल, कामिल जैसी उच्च डिग्री नहीं दे सकता, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है।

कनाडा में हिंदूओं पर हुए हमले पर जयशंकर ने साधा निशाना.....

नई दिल्ली।. विदेश मंत्रालय और पीएम नरेंद्र मोदी के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कनाडा में हिंदू सभा मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों के हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है और कहा है कि यह घटनाक्रम बताता है कि कनाडा में अतिवादियों को कितनी राजनीतिक जगह दी जाती है। आस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद जयशंकर ने यह बात कही।बैठक में आस्ट्रेलिया की तरफ से कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संदर्भ में भारत पर लगाये गये आरोपों को भी उठाया गया है। हालांकि इससे भारत व आस्ट्रेलिया के द्विपक्षीय रिश्तों पर किसी तरह का असर पड़ने की संभावना नहीं है। मंगलवार को हुई

बैठक में भी दोनों विदेश मंत्रियों ने आपसी संबंधों के तमाम आयामों को और मजबूत बनाने पर बात की है। कनाडा को लेकर पूछे गये सवाल पर जयशंकर ने कहा कि, ह्मैं इस संबंध में तीन बातें कहूंगा। पहला, कनाडा की यह आदत हो गई है कि वह बगैर किसी ठोस साक्ष्य के आरोप लगाता है। दूसरा, कनाडा में हमारे राजनयिकों की जासूसी हो रही है जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। तीसरा, हिंदू मंदिर पर जो हमला हुआ है उसका वीडियो आप सभी ने देखा होगा, मैं यह मानता हूं कि यह बताता है कि वहां अतिवादियों की कितनी राजनीतिक जगह दी जाती है।"सनद रहे कि एक दिन पहले पीएम मोदी ने कहा कि, ह्मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी च्नदा करता हूं, हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह है।"कनाडा के ब्रैम्पटन में मंदिर पर हुए हमले का मामला तूल पकड़ रहा है। अब इसको लेकर भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर का बयान भी सामने आया है, उन्होंने कहा, सोमवार को एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ हुई बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्री ने आगे कहा, कनाडा में चरमपंथी ताकतों को पॉलिटिकल स्पेस दिया जा रहा है।' कनाडा की तरफ से भारतीय राजनयिकों की निगरानी रखी जा रही है, जो अस्वीकार्य है

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की समस्त इकाईयो का भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा को पूर्ण समर्थन

संस्कार उजाला

गाजियाबाद बुधवार को व्यापार मंडल के मुख्य कार्यालय 50 नया गंज पर जिलाध्यक्ष संदीप बंसल के नेतृत्व में सभी ईकाईयों व सम्पूर्ण व्यापारियों से भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा को अपना समर्थन दिया।

1- जिले को सभी पदाधिकारी गणा (अखिल भारतीय उध्योग व्यापार
2 - महानगर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल
3. युवा जिला अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल
4- युवा महानगर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल
5- पंचवटी व्यापार मंडल अखिल भारतीय अर्थ व्यापारि
6- भाटिया मोड़ अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल
7- कैला मध्य अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल
8- डासना गेट जटवाड़ा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल
9- शान्तिनगर विजयनगर अखिल भारतीय उपोग व्यापार मंडल
10- बागु अखिल भारतीय उधोग व्यापार मंडल आदि सभी ने अपना पूर्ण समर्थन प्रत्याशी संजीव शर्मा को दिया। इस बार सभी संजीव शर्मा को विधायक के रूप में देखना चाहते है जिलाध्यक्ष संदीप बंसल ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य रूप से, दीपक गर्ग अनमोल बंसल चेतन शर्मा दुष्यंत गुप्ता अनिल गुप्ता संजय गुप्ता श्रीपाल यादव प्रवीन शर्मा अरुण मित्तल अरुण गुप्ता नौशाद भाई के अलावा सैकड़ो व्यापारी मौजूद रहे।

शारदा सिन्हा के छठ गीत सदैव सदियों तक गूंजते ही रहेंगे

आर.के. सिन्हा

सूर्य आस्था के पञ्चदिवसीय महापर्व छठ के श्रीगणेश के साथ जब सभी छठ पर्व में आस्था रखने वालों का मन उत्साह और आनंद के वातावरण में रमा हुआ था, बस तब ही लोक गायिका पद्मश्री शारदा सिन्हा के निधन का समाचार मानो सारी दुनिया के भोजपुरी भाषियों और प्रेमियों के ऊपर वज्रपात के समान था। हालांकि शारदा जी अब हमारे बीच नहीं रहीं, पर आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज सदियों तक सदैव बनी रहेगी।

सूर्य आस्था के पञ्चदिवसीय महापर्व छठ के श्रीगणेश के साथ जब सभी छठ पर्व में आस्था रखने वालों का मन उत्साह और आनंद के वातावरण में रमा हुआ था, बस तब ही लोक गायिका पद्मश्री शारदा सिन्हा के निधन का समाचार मानो सारी दुनिया के भोजपुरी भाषियों और प्रेमियों के ऊपर वज्रपात के समान था। हालांकि शारदा जी अब हमारे बीच नहीं रहीं, पर आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज सदियों तक सदैव बनी रहेगी।

भोजपुरी संगीत में शारदा सिन्हा का नाम एक ऐसा नाम है, जो केवल गायिका से ज्यादा है, एक समृद्ध भोजपुरी संस्कृति का प्रतीक है। उनकी आवाज में न केवल भोजपुरी लोकगीतों की परंपरा झलकती है बल्कि छठ महापर्व पर्व की पवित्रता भी। उनके छठ गीत न केवल भावनाओं को छूते हैं ,बल्कि ; सुनने वालों के दिलों में छठ पर्व की गहराई को भी उकेर देते हैं। अपनी वेशभूषा रहन सहन और बोलचाल में अपनी संस्कृति की गंध लिए शारदा जी एक आम स्त्री बनी रहीं। उन्होंने बताया कि किस तरह एक स्त्री अपनी सफलता की सीढ़ियां अपनी संस्कृति के साथ चढ़ सकती हैं।

शारदा सिन्हा का निधन संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, 'सुप्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनके गाए मैथिली और भोजपुरी के लोकगीत पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं।'

शारदा सिन्हा पिछले कुछ दिनों से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती थीं और सोमवार से उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

शारदा सिन्हा ने छठ पर्व के गीतों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनके द्वारा गाए गए 'सूर्य देवता, ओ सतवां दिन'... 'छठी मइया के घाट, घाट, घाट' जैसे गीत आने वाली सदियों तक लोकप्रिय रहने वाले हैं और छठ पूजा के दौरान घर-घर सदियों तक गूंजते ही रहेंगे । उनकी आवाज में छठ महापर्व के प्रति श्रद्धा और भक्ति का ऐसा मिश्रण था जिसने लाखों लोगों को छठ पूजा से जोड़ दिया।

जिस शारदा सिन्हा ने भोजपुरी लोक गीतों को अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर लोकप्रिय बनाया वह अब हमारे बीच नहीं रही हैं। शारदा जी अपने चाँद से मिंलने चली गईं। उनके पति का भी कुछ माह पूर्व ही निधन हो गया था। बिहार में भिखारी ठाकुर , महेंद्र मिसिर, रघुवीर नारायण , मनोरंजन सिन्हा, विंध्यवासिनी देवी की परंपरा को आगे बढानेवाली शारदा जी स्त्री सशक्तिकरण की एक प्रतीक थी। लोक गायक अपनी जनता में किस तरह अमर हो जाता है, इसका एक ताजा उदाहरण थी।उनके गीतों से एक बार सिद्ध हुआ कि भारतीय स्त्रियों ने ही लोकगीतों को बचाये रखा है।

भोजपुर अंचल में स्त्री की वेदना विरह प्रेम वात्सल्य विवाह गीत छठ गीत की आवाज शारदा जी के गीतों में गहरी पीड़ा व्यक्त होती थी। भोजपुर अंचल से बाहर की स्त्रियों ने भी उनकी आवाज में अपनी अभिव्यक्ति पाई थी। शारदा जी ने विशुद्ध पवित्र और सात्विक गीत गाये और बताया कि यही सच्चाई है यही उनके लोकगायकी में शिखर पर पहुँचने का कारण बने ।

भोजपुरी भाषी और भोजपुरी प्रेमी होने के नाते मेरा उनसे आत्मीय संबंध रहा है । वे मुझे बड़ा भाई मानती थीं और मैं भी उन्हें अनेकों कार्यक्रमों में बुलाता रहता था । यह कम ही लोगों को पता होगा कि शारदा जी भोजपुरी भाषी न होकर उत्तर बिहार के मिथिलांचल से थीं। लेकिन , उन्होंने लोकगायकी के लिये भोजपुरी सीखी ।

साठ के दशक में कुमकुम पर फिल्माए गये भोजपुर गीतों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शारदा जी ने गीत गाये थे। हे गंगा मैया तोहे पियरी चढ़इबो ,लागी नाही छूटे रामा जैसे गीतों की फिर से याद शारदा जी के गीतों ने दिलाई थी।

शारदा सिन्हा के छठ गीतों की लोकप्रियता का एक कारण उनका गीतों में भावनाओं को सिलसिलेवार ढंग से पिरोना था। वो गीतों के हर शब्द को उस भावना के साथ गातीं, जो छठ पर्व के आस्था और भक्ति के साथ जुड़ी है। उनके गीतों में छठी मइया की कृपा पाने की आस, सूर्य देवता के प्रति आस्था, और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना स्पष्ट रूप से झलकती है।

शारदा सिन्हा के छठ गीतों का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनकी भाषा और शैली है। उनकी आवाज में भोजपुरी भाषा की सरलता, लयबद्धता और भावपूर्णता का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने छठ गीतों को अपनी आवाज से इतना प्रभावी बनाया कि ये गीत अब भोजपुरी संस्कृति का अभिन्न अंग बन चुके हैं।

शारदा सिन्हा जी के गीतों को नौजवान पीढ़ी भी उतनी ही शिद्दत से सुनती है, जितनी उनके समय में सुनती थी। उनके गीतों को अनेक कलाकारों ने अपने अंदाज में गाया है।

शारदा जी के छठ गीत केवल गीत नहीं हैं, वे भोजपुरी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे छठ पर्व के प्रति श्रद्धा और भक्ति को प्रोत्साहित करते हैं और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजो कर रखते हैं।

शारदा सिन्हा , भोजपुरी संगीत की एक ऐसी रानी हैं जिनके प्रशंसक सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि सारे संसार में हैं। उनकी लोकप्रियता के पीछे कई कारण रहे। उनकी गायन शैली बेहद अलग और जिंदादिल है। वो अपनी आवाज से हर किरदार को जीवंत कर देती हैं, चाहे वो प्यार की बात हो, दर्द की बात हो या फिर सामाजिक मुद्दों की।

उनका संगीत जनता से सीधा जुड़ता है। उनके गाने अक्सर जीवन के आम अनुभवों, प्रेम, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक मुद्दों को दर्शाते हैं।

शारदा सिन्हा के गाने सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश भी देते हैं। वो महिलाओं की ताकत और स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाती हैं, और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी मुखर हैं।

शायद ही कोई भोजपुरी भाषी या प्रेमी हो, जिसकी जुबान पर शारदा सिन्हा के गाने ना जुबान पर ना चढ़े हुए हैं। उनकी आवाज और गाने भोजपुरी संगीत के इतिहास में हमेशा अमर रहेंगे। महत्वपूर्ण है कि उनकी लोकप्रियता सिर्फ एक गायिका के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक शख्सियत के तौर पर भी है। उनके गाने लोगों को भावनात्मक तौर पर जोड़ते हैं, और उन्हें जीवन के मुश्किल समय में भी हिम्मत देते हैं। उन्होंने अपने गीतों से सिद्ध किया कि लोक की शक्ति ही कला को लोकप्रिय बनाती है। लोकप्रियता में गुणवत्ता भी होती है। उन्होंने भोजपुरी गीतों की लोकप्रियता और गुणवत्ता दोनों को बचाये रखा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

निंदा के साथकार्रवाईभी हो

कनाड़ा के साथ चल रहे विवादों के बीच ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर हिन्दू मंदिर में घुसकर श्रद्धालुओं को निशाना बनाया। बच्चों और महिलाओं को लाठी-डंड़ों से पीटा गया। भारतीय उच्चायोग की ओर से लगाए गए वीजा शिविर को भी निशाना बनाया। घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है, 'मैं हिन्दू मंदिर पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। उम्मीद करते हैं कि कनाड़ा की सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और विधि का शासन कायम करेगी।' प्रतिक्रिया से जाहिर होता है कि आने वाले दिनों कनाड़ा के प्रति भारत का रुख और सख्त होगा। पिछले वर्ष अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्वामी नारायण मंदिर को खालिस्तान समर्थक तत्वों ने निशाना बनाया था। मंदिर की बाहरी दीवारों पर नारे लिखकर आतंकवादी भिंड़रावाले को शहीद बताया गया था। सैनफ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में आगजनी की कोशिश की गई थी। भारतीय अधिकारियों की शिकायत पर दोषियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाईनहीं की गई। अमेरिका ऐसी भारत विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से नहीं लेता। गौर करने वाली बात है कि बाइड़न प्रशासन गुरपतवंत सिंह जैसे घोषित आतंकवादियों को संरक्षण दे रहा है तो कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो के लिए आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर नागरकि स्वतंत्रता का हीरो बन गया है। कनाड़ा में आपराधिक गैंगवार के चलते जो हत्याएं हुई हैं उनके लिए वह इन गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय भारतीय एजेंसियों को ही कठघरे में खड़ा कर रहा है। इन घटनाक्रम से जाहिर होता है कि अमेरिका की अगुवाई वाले 'फाइव आईज' देश भारत के खिलाफ सुनियोजित षड़ज्ंत्र रच रहे हैं। फाइव आईज एक तरह का नस्लवादी गुट है जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाड़ा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड़ शामिल हैं। इन देशों में अंग्रेज मूल के लोगों का वर्चस्व है और इनकी घरेलू और विदेश नीति एक जैसी है। किसी भी अन्य देश के बारे में यह गुट एक जैसा रवैया अपनाता है। इन दिनों इनकी भृकुटी भारत पर तनी हुई है। इन देशों को इस बात की भी परवाह नहीं है कि मुट्ठी भर खालिस्तानियों को बचाने के लिए वे दुनिया के सबसे बड़े.लोकतांत्रिक देश भारत के साथ संबंध क्यों खराब कर रहे हैं। हालांकि ट्रूड़ो ने हिन्दू मंदिर पर हमले की निंदा की है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। उनकी सरकार को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाईकरनी चाहिए। भारत की यही मांग है।

चिंतन-मनन

सहन करना सीखें

व्यक्ति स्वयं ही बेचैनी का जीवन जीता है और अकारण ही जीवन में अनेक कष्टों को आमंत्रित कर लेता है। एक आदमी था। वह सदा प्रसन्न रहता था। एक दिन उसको उदास देखकर मित्र ने पूछा, मित्र! तुम सदा प्रसन्न रहते थे। तुम्हारी सारी अनुकूलताएं थीं। पर आज तुम बहुत उदास दिख रहे हो, यह क्यों? उसने कहा, मेरी प्रसन्नता गायब हो गई। आज से नहीं, बारह महीनों से वह गायब है। इसका भी कारण है। पहले इस गांव में मेरा मकान सबसे ऊंचा था। न जाने एक व्यक्ति कहां से आ टपका कि उसने मेरे मकान से भी ऊंचा मकान बना डाला। उसी दिन से मेरी प्रसन्नता समाप्त हो गई।

इसकी कोई दवा नहीं है। आयुर्वेद विज्ञान में, मेडिकल साइन्स में, साइकोलॉजी में इसकी कोई दवा नहीं है। यह साइकोसोमेटिक बीमारी भी नहीं है। इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं बना। दूसरे की विशेषता को, दूसरे की सम्पन्नता को सहन न करना ही इसका कारण है। ?सी बीमारी का उपाय यह है कि व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाए, तीन मंजिले मकान के स्थान पर पांच मंजिला मकान बनाने पांच मंजिले के स्थान पर सात मंजिला मकान बनाने की क्षमता को विकसित करे और अधिक कमाए, और अधिक श्रम करे। यह उसका सकारात्मक पक्ष है। मनुष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक कम होता है, नकारात्मक अधिक। एप्रोच नेगेटिव होने के कारण वह दुखी होता है। इससे असहिष्णुता का भाव जागता है और असहिष्णुता राहू की भांति चांद को निरंतर ग्रसित करती रहती है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवसः योग एवं अध्यात्म के सहारे कैंसर पर काबू पाये

ललित गर्ग

वैश्विक स्तर साल-दर साल कैंसर रोगियों और मृतकों की संख्या बढ़ रही है। भारत में बीते सालों में कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। कैंसर की पहचान, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष भारत में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाता है। प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी की जयन्ती पर उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता, जिन्होंने कैंसर के खिलाफ चल रही लड़ाई में बहुत योगदान दिया है। उनके उत्कृष्ट शोध ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विकास और कैंसर के उपचार के लिए रेडियोथेरेपी के उपयोग में मदद की है। यह दिवस कैंसर से लड़ने की हमारी क्षमता पर मैडम क्यूरी के वैज्ञानिक प्रयासों के बड़े प्रभाव की याद दिलाता है।

भारत में एक अनुमान के अनुसार 20 से 25 लाख कैंसर रोगी हैं, जिनमें से हर साल लगभग 7 लाख नए मामले सामने आते हैं। जब एक नए कैंसर के मामले का निदान किया जाता है, तो उनमें से दो-तिहाई पहले से ही लाइलाज अवस्था में होते हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक कैंसर रोगी 35 से 65 वर्ष की आयु के बीच के हैं। बढ़ती जीवन प्रत्याशा और प्रगति के साथ बदलती जीवनशैली के कारण कैंसर के मामले अब की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होंगे। हर साल, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस एक अनूठी थीम अपनाता है, 2023-24 में, थीम ह्रदेखभाल की कमी को पूरा करेंह्न है, यह थीम कैंसर देखभाल, कैंसर की रोकथाम, शुरूआती पहचान और उपचार तक पहुँच में सुधार के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा एवं हौसला हो तो कैंसर को भी पस्त किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है। इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं। कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें है, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है।

असंतुलित जीवनशैली ने आज एक नहीं कई शारीरिक समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। कैंसर भी ऐसा ही एक जोखिम है जो लंबे समय तक नजरअंदाज किये जाने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। अगर कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कैंसर को नियंत्रित करने में अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। सुख-दुख, विपदाएं, वेदना, परेशानियां, कठिनाइयां और बीमारियों का सामना करते-करते व्यक्ति के अंदर से सकारात्मक ऊर्जा खत्म होने लगती है, जिस कारण व्यक्ति थक जाता है और अंदर से टूट जाता है। यह टूटन एवं निराशा कैंसर की सबसे बड़ी बाधा है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता।

कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह हों या कई बॉलीवुड सितारे, सबने अपनी सकारात्मक सोच के जरिए ही कैंसर पर विजय हासिल की है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। योग तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायक है।

घुलनशील खाद : भुलाए नहीं भूलेगी यह हार

मनोज चतुर्वेदी

पानी में घुलनशील उर्वरक का उपयोग दक्षता बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य को बहाल करने और मक्का जैसी चारा फसलों में उच्च पैदावार को बनाए रखने के लिए एक प्रमुख कृषि-अवरोध के रूप में उभरा है। पारंपरिक उर्वरक अक्सर असमान पोषक तत्व वितरण, खराब फसल प्रतिक्रिया और पर्यावरणीय नुकसान के कारण बनते हैं। इसके विपरीत, पानी में घुलनशील उर्वरक संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करते हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं, और फोरेज में नाइट्रेट संचय जैसे मुद्दों को रोकते हैं, जो पशुधन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

चारा उत्पादन में उर्वरक आवेदन महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यह चुनौतियों के साथ आता है। मक्का के चारे में बायोमास और कच्चे प्रोटीन को बढ़ाते हुए नाइट्रोजन-भारी उर्वरकों के परिणामस्वरूप नाइट्रेट संचय हो सकता है, जो पशुधन को नुकसान पहुंचा सकता है। प्रभावी उर्वरक उपयोग संतुलित पोषक तत्वों की आपूर्ति, फसल प्रतिक्रिया में सुधार और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करता है। अंधाधुंध उर्वरक आवेदन के कारण फसल की पैदावार खराब हो सकती है, मिट्टी के स्वास्थ्य का क्षरण और प्रदूषण हो सकता है। क्षेत्र परीक्षण पोषक तत्वों की आपूर्ति, पोषक तत्वों का उपयोग दक्षता और फसल प्रतिक्रियाओं में पर्याप्त परिवर्तनशीलता को प्रकट करते हैं। क्षेत्रों में इस तरह की विसंगतियां समग्र चारा उत्पादकता को प्रभावित करती हैं। इन अक्षमताओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट क्षेत्र विशेषताओं के अनुरूप सटीक पोषक तत्व और फसल प्रबंधन आवश्यक है। मिट्टी और उर्वरक वितरण के प्रबंधन के लिए ज्ञान-गहन ड्डष्टिकोण चारा उत्पादन में परिणामों में काफी सुधार कर सकते हैं। पानी में घुलनशील उर्वरक पौधों के लिए बेहतर पोषक तत्वों की पेशकश करके आशाजनक समाधान प्रदान करते हैं। ये उर्वरक पूरी तरह से पानी में घुलनशील होते हैं। पानी में घुलनशील उर्वरकों का उपयोग विभिन्न प्रकार के क्षेत्र की स्थितियों में किया जा सकता है, और एक कुशल, संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करता है, जिससे उच्च चारा पैदावार और चारा की पोषण गुणवत्ता में सुधार होता है जबकि पानी में घुलनशील उर्वरक कई लाभ प्रदान करते हैं, पोषक तत्व अधिभार का खतरा होता है। यदि वे ओवरएप्ड या अनुचित रूप से पतला होते हैं, तो फाइटोटॉक्सिक चोट (पौधे की क्षति) हो सकती है। यह सही खुराक और अनुप्रयोग तकनीकों को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक निगरानी और प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कृषि विगण केंद्र, बरनाला द्वारा किए गए फील्ड ट्रायल ने मक्का चारा उत्पादन में पानी में घुलनशील उर्वरकों (एनपीके 19-19-19) की प्रभावशीलता का आकलन किया। पता चला कि 75प्र. आरडीएफ के साथ संयुक्त, 1प्र. एकाग्रता में पानी में घुलनशील उर्वरकों के पर्ण आवेदन, मक्का के पौधे की वृद्धि (ताजा और शुष्क वजन) और हरे रंग की चारा की उपज में काफी वृद्धि हुई है। पारंपरिक प्रथाओं की तुलना में चारे की पोषण गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। पानी में घुलनशील उर्वरक लीचिंग को कम करते हैं, प्रमुख पोषक तत्वों (एन, पी, के) और नाइट्रोजन वाष्पशीलकरण के अपवाह हानि को कम करते हैं, जो कम उत्पादन लागत में अनुवाद करता है, और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है। कम पोषक तत्व अपव्यय और बेहतर दक्षता के परिणामस्वरूप किसानों के लिए कम वित्तीय बोझ में, विशेष रूप से उर्वरक लागत के मामले में।

इस्राइल, जो जल-कुशल कृषि प्रथाओं के लिए जाना जाता है, ने उर्वरक के उपयोग को उर्वरक के उपयोग का उपयोग किया है, जो उर्वरक आवेदन के साथ सिंचाई को एकीकृत करता है। पानी में घुलनशील उर्वरकों को सिंचाई के पानी में भंग कर दिया जाता है, और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से सीधे रूट जोन तक पहुंचाया जाता है। ऑस्ट्रेलियाई किसान एक संतुलित पोषक तत्व प्रोफाइल प्राप्त करने के लिए जैविक और धीमी गति से रिलीज उर्वरकों के साथ पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को जोड़ते हैं। जापान नियंत्रित-रिलीज पानी में घुलनशील उर्वरकों को विकसित करने में सबसे आगे रहा है, जो पोषक तत्वों को धीरे-धीरे लंबी अवधि में जारी करने की अनुमति देते हैं। यूरोप में, विशेष रूप से नीदरलैंड़ जैसे देशों में स्थायी कृषि प्रमाणन योजनाएं पर्यावरण के अनुकूल खेती प्रथाओं के साथ संयोजन में पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करती

हैं। जल-घुलनशील उर्वरकों जैसे पर्यावरण के अनुकूल और कुशल उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने वाली नीतियों और सब्सिडी को मजबूत किया जाना चाहिए। जल-घुलनशील उर्वरकों को अन्य टिकाऊ कृषि पद्धतियों, जैसे फसल चक्रण, कार्बिनक पदार्थ समावेशन और जल प्रबंधन तकनीकों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। जल-घुलनशील उर्वरक संतुलित, पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जो पर्यावरणीय जोखिम कम करते हुए किसानों को कृषि उत्पादकता बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

बहराइच राज्य स्तरीय आमंत्रण बैडमिंटन प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

प्रदेश भर से ढाई सौ खिलाड़ी कर रहे प्रतिभाग ,डीएम एसपी एमएलसी ने बैडमिंटन कोर्ट में आजमाए दो दो हाथ

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच डिस्ट्रिक्ट ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बैटमिंटन एसोसिएशन से सम्बद्ध स्व. मदनलाल अग्रवाल स्मारक राज्य स्तरीय आमंत्रण बैडमिंटन प्रतियोगिता का आज इंदिरा स्टेडियम में शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर रवि गिरी महाराज ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला, एमएलसी पदमसेन चौधरी, विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी, नगर पालिका चेयरमैन सुधा देवी मौजूद रहीं। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला अंडर-15 वर्ग में आर्यन चौहान लखनऊ व श्रेष्ठ शुक्ला के मध्य खेला गया, जिसमें श्रेष्ठ 30- 26 से विजयी रहे। दूसरा मुकाबला प्रदीप बहराइच व कार्तिक बहराइच के मध्य खेला गया, जिसमें कार्तिक ने 30- 21 से मुकाबला जीता। अथर्व लखनऊ व आयुष कानपुर के मध्य खेले गये तीसरे मुकाबले में आयुष

कानपुर 30-14 से विजयी रहे। चौथा मुकाबला मो. आलियान बहराइच व कृष्णवर्धन बरेली के मध्य खेला गया। जिसमें कृष्णवर्धन 30-10 से विजय रहे। पांचवा मुकाबला प्रांजल लखनऊ व बहराइच के मध्य खेला गया, प्रांजल 30-7 से विजयी रहे। पारस लखनऊ व आलोक सिद्धार्थनगर के मध्य खेले गये छठे मुकाबले में पारस 30 - 11 से विजयी रहे।, टूनार्मेंट के संयोजक श्याम करण टेकड़ीवाल ने बताया कि प्रतियोगिता चार दिवस तक खेली जाएगी, प्रदेश के अंडर 15, अंडर 17, बालक-बालिका व पुरुष-महिला ओपेन सिंगल डबल्स संवर्ग के लगभग 250 खिलाड़ी इसमें प्रतिभाग कर रहे हैं। निर्णायक के रूप में शकील, बरखा गुप्ता, रिया सिंह, अंशराज, मोनिस खान व मैच कंट्रोलर प्रवीण राज मौजूद रहे। टूनार्मेंट समन्वयक ए.आर. अंसारी रहे। कार्यक्रम को ओलंपिक एसोसिएशन अध्यक्ष मनीष मल्होत्रा, सचिव मनोज गुप्ता, जितेंद्र प्रताप सिंह, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, राना अनिल सिंह, सुरेश गुप्ता, राम किशोर गुप्ता, अनिल जायसवाल, पिंटू सोलंकी, क्रीड़ा अधिकारी आनंद श्रीवास्तव आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में ओलंपिक एसोसिएशन के वरिष्ठ संरक्षक अशोक मातनहेलिया, व्यापार मंडल अध्यक्ष दीपक सोनी, महामंत्री बृजमोहन मातनहेलिया, आशीष कंसल, डा. एन. सी. बावा, डाक्टर अनिल अग्रवाल, आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता के शुभारम्भ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एम.एल.सी. पदमसेन चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक बृन्दा शुक्ला आशा व्यक्त की कि जिले के प्रतिष्ठित समाज सेवी स्वर्गीय मदन लाल अग्रवाल की याद में प्रत्येक वर्ष यह प्रतियोगिता आयोजित होगी और निरन्तर इसका स्वरूप भी विस्तारित होता रहेगा। वक्तागण ने प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भद्रजनों के इस खेल में गुड स्पोर्ट्स मैन स्प्रिट के साथ शामिल हों। वक्तागण ने कहा कि खेल के मैदान ही हमें हार को खुले दिल से स्वीकार करने तथा पुनः प्रयास कर सफलता की नई इबारत लिखने की प्रेरणा देते हैं। वक्तगण ने कहा कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के दूसरे जनपदों से आने वाले खिलाड़ियों का खेल देखकर आकांक्षात्मक जनपद बहराइच के खिलाड़ियों को सीखने का मौका मिलेगा। वक्तागण ने कहा कि ऐसे आयोजनों से जिले के दूसरे लोग भी प्रेरित होकर अन्य खेलों की प्रतियोगिता के आयोजन हेतु आगे आयेंगे। प्रतियोगिता की शुरूआत में डीएम मोनिका रानी, एसपी वृंदा शुक्ल और एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी ने बैडमिंटन कोर्ट में उतरकर बैडमिंटन रैकेट से दो दो हाथ आजमाए।

वाहनों में क्षमता से अधिक बेजुबान पशुओं को लादकर वध के लिए ले जाते दो को किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज व क्षेत्राधिकारी अतर्रा प्रवीण कुमार यादव के निकट पर्यवेक्षण में दिनांक 05/06 नवंबर 2024 की रात्रि को गश्त एवं चेकिंग के दौरान थाना बदौसा पुलिस द्वारा फतेहगंज तिराहा से दो अभियुक्तों को एक ट्रक व एक पिकअप वाहन में क्षमता से अधिक पशुओं को लादकर क्रूरतापूर्वक तरीके से वध के लिए ले जाते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि पशु क्रुरता के सम्बन्ध मे शामिल अन्य दो अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। इस दौरान 19 भैंस व 19 पड़वा, 01 ट्रक व 01 पिकअप वाहन बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता विजय सिंह पुत्र जगतपाल सिंह निवासी

मुख्तीयारगंज जनपद सतना (म0प्र0), तथा दीपक कुशवाहा पुत्र रामआसरे कुशवाहा निवासी बीरनई रामपुर बघेलान जनपद सतना (म0प्र0) पाए गए। एवं वांछित अभियुक्त में मुसर्रफ अली पुत्र मोहम्मद जुबैर निवासी अलीगंज कोखराज जनपद कौशाम्बी तथा साजिद पुत्र जाबिर निवासी नजीराबाद जनपद सतना (म0प्र0) की तलाश जारी है। संबंधित पर मु0अ0सं0 151/24 धारा 11(1)(डी) पशु क्रूरता निवारण अधि0 1960 थाना बदौसा में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

ट्रेन की चपेट में आकर 65 वर्षीय अज्ञात वृद्ध महिला की मौत से मचा हड़कंप

संस्कार उजाला
रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

हापुड़/ पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के मारवाड़ पुलिस चौकी अंतर्गत एक 65 वर्षीय वृद्ध अज्ञात महिला की ट्रेन की चपेट में आकर हुई दर्दनाक मौत से मजा हड़कंप। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्ध महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर सभी पहलुओं से शिनाख्त का प्रयास शुरू कर दिया है।

मेरठ मंडलायुक्त ने कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को सकुशल संपन्न कराने को लेकर मेला स्थल का पैदल भ्रमण कर संबंधित को दिए दिशा निर्देश

संस्कार उजाला
संवाददाता विक्की राज

गढ़मुक्तेश्वर/गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र में मोक्षदायनी पतित पावनी गंगा मैया के रेतीले मैदान में तंबू नगरी मेले में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है। और प्रतिदिन रेतीला मैदान श्रद्धालुओं के आगमन और डेरो को लगाने को लेकर तंबू नगरी में तब्दील हो रहा है। इसी क्रम में कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला 2024 को सकुशल व्यवस्था की दृष्टिगत संपन्न कराने को लेकर मेरठ मंडल आयुक्त सेल्वा कुमारी जे के द्वारा पुलिस महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र,जिला अधिकारी प्रेरणा शर्मा, उपजिलाधिकारी साक्षी शर्मा, एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह, एवं भारी पुलिस बल के साथ मेला स्थल का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। और साथ ही मेले में बनाई गई।अस्थाई पुलिस लाइन में संबंधित मेले से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी गणों को ब्रीफ कर दिशा निर्देश जारी किए।

सिंभावली शुगर मिल वर्ष 2024-25 पेराई गन्ना सत्र का वैदिक मंत्रोउच्चारण गुरु ग्रंथ साहब का अखंड पाठ करने के बाद चैन में गन्ना डालकर शुभारंभ किया गया

संस्कार उजाला
रिपोर्टर भूपेंद्रवर्मा

हापुड़ :सिंभावली शुगर मिल 2024-25 का गन्ना पेराई सत्र वैदिक रीति रिवाज मंत्रोच्चारण गुरु ग्रंथ साहब का अखंड पाठ करने के साथ पंडित शिवदत्त शास्त्री के द्वारा मंत्रोउच्चारण के साथ सर्वप्रथम योगी कांटे की पूजा मिलकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस एन मिश्रा समिति अध्यक्ष जितेंद्र पाल सिंह द्वारा किया गया शुभारंभ। वहीं शुगर मिल में शुभारंभ के दौरान सर्व प्रथम ट्रैक्टर ट्राली लाने वाले गाँव डिबाई के किसान सरवरी और प्रथम बैल गाड़ी लाने वाले नयाबांस निवासी किसान महेश को सहकारी गन्ना विकास समिति चेयरमैन जितेंद्र पाल सिंह और मुख्य कार्यकारी एसएन मिश्रा द्वारा फूलों की माला पहनाई गई। सिंभावली शुगर मिल के मुख्य महा प्रबंधक करण सिंह द्वारा किसानों एवं कर्मचारियों को शुभकामना दी गई। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य किसान एवं जनप्रतिनिधि मौके पर रहे।साथ ही सहकारी गन्ना विकास समिति के चेयरमैन जितेन्द्र पाल सिंह,सहकारी विकास गन्ना समिति के सचिव राकेश पटेल,कैन जीएम विश्वाशराज,राजीव दादू, शेखर सहसपुरा,धनवीर शास्त्री,करणपाल सिंह,वीरेंद्र सिंह,महेंद्र सिंह,संजय सिंह, हाजी इलियास, नरेंद्र त्यागी,ज्येष्ठ गन्ना निरीक्षक अशोक कुमार,अधिकारी विशेष संजय त्रिपाठी, मनोज गोयल,केपी राणा,दिनेश शर्मा अमानुल्लाह खान, विजेंद्र सिंह समेत मौके पर मौजूद रहे।

छठ पूजा के आयोजन हेतु तमाम व्यवस्थाओं के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बॉदा बाल कृष्ण त्रिपाठी, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी नगेन्द्र प्रताप एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने छठ पूजा पर्व के आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं का केन नदी घाट पर निरीक्षण किया। उन्होंने केन नदी घाट पर समुचित साफ- सफाई व्यवस्था कराये जाने तथा बैरिकेटिंग करने व गहरायी वाले स्थान पर बल्ली लगाये जाने के साथ प्रकाश की व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद बॉदा को निर्देश दिये। उन्होंने छठ पर्व के दौरान गोताखोर एवं नाविकों की व्यवस्था भी रखने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस की भी ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

धान की फसल की उत्पादकता के सम्बन्ध में काफ्ट कटिंग करायी

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

जिलाधिकारी बांदा नगेंद्र प्रताप ने बुधवार को तहसील सदर के विकास खण्ड बडोखर खुर्द के ग्राम पंचायत लामा में किसान लक्ष्मण तिवारी के खेत में धान की फसल की उत्पादकता के सम्बन्ध में काफ्ट कटिंग करायी गई। धान की काफ्ट कटिंग राजस्व कर्मियों, ग्राम प्रधान एवं किसानों की उपस्थिति में सम्बाहु त्रिभुज बनाकर की गयी तथा धान कटिंग के बाद कटवाकर उसकी तौल करायी गयी ' क्राफ्ट कटिंग के द्वारा धान की उपज 43 .3 वर्ग मीटर पर 14 .600' प्राप्त हुई। धान काफ्ट कटिंग के दौरान अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राजेश कुमार, उप जिलाधिकारी सदर अमित शुक्ला, नायब तहसीलदार ,सहित सम्बन्धित राजस्व कर्मी एवं किसान उपस्थित रहे।

जेम पोर्टल के माध्यम से आउटडोर प्ले मैटेरियल क्रय करने के लिए जिलाधिकारी ने किया निर्देशित

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

जनपद बाँदा में राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा प्रेषित 54 को लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में आउटडोर प्ले मैटेरियल क्रय हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से टेण्डर किये जाने के लिये क्रय समिति की बैठक जिलाधिकारी नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में स्थान- कलेक्ट्रेट सभागार, बाँदा में दिनांक 06 नवंबर 2024 को अपरान्ह 12 :00 बजे की गयी जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य कोषाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी, समग्र शिक्षा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, तथा तकनीकी विशेषज्ञ, राजकीय आई0टी0आई, बाँदा उपस्थित रहे। जिसमें जेम पोर्टल के द्वारा समिति के माध्यम से आउटडोर प्ले मैटेरियल क्रय किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये।

स्कूली बच्चों एवं यातायात विभाग के द्वारा जागरूक, किए गए चालान

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी एवं पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार सिंह जिलाधिकारी नगेंद्र प्रताप एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से यातायात माह नवंबर 2024 के निर्देशन में पूरे नवंबर माह में चलने वाले यातायात माह के अंतर्गत प्रतिदिन वाहनों की चेकिंग के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को (जीआईसी) राजकीय इंटर कॉलेज बांदा के छात्रों के द्वारा शहर के जजी चौराहे पर अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, सी0ओ0 यातायात राजवीर सिंह, यातायात प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, मास्टर ट्रेनर पीयूष मिश्रा, सुनील सक्सेना (सदस्य जिला स्तरीय समन्वय समिति दुर्घटना जांच समिति), समस्त यातायात टीएस आई एवं यातायात आरक्षी, पुलिस कांस्टेबालों के सहयोग से गुजरने वाले राहगीरों को जो यातायात के साधनों का इस्तेमाल कर रहे थे उनको जागरूक किया गया। जिन्होंने सीट बेल्ट, हेलमेट नहीं लगाया सभी को स्कूली बच्चों के द्वारा संवाद करते हुए यातायात नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया गया और दोबारा ऐसी गलती न करने के लिए शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में 5 नवंबर 2024 एवं आज 6 नवंबर 2024 को लगभग 800 से अधिक दो पहिया चार पहिया वाहनों जिसमें बिना हेलमेट, बिना शीट बेल्ट, हूटर, काली फिल्म आदि यातायात से संबंधित वाहनों के चालान भी किए गए चालान करने के साथ-साथ सभी को हिदायत दी गई की अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज एवं सीओ ट्रैफिक राजवीर सिंह ने लोगों से अपील करते हुए बताया कि यातायात नियम का पालन करें अगर पालन नहीं करेंगे तो आपके ऊपर कठोर कार्यवाही संभव है। नाबालिक बच्चे जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है। एवं ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है वो वाहनों का इस्तेमाल कतई ना करें अन्यथा पकड़े जाने पर उनके अभिभावकों के ऊपर कारवाई की जाएगी। यह अभियान प्रतिदिन अनावृत्त चलता रहेगा यातायात नियम का पालन न करते पाए जाने पर चालानो के साथ-साथ अन्य कार्यवाही भी संभव है इसीलिए यात्रा करते समय यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा करें अपने आप को सुरक्षित करें।

शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर 71 के छठ घाट पर सुंदरकांड पाठ व भजन का किया गया आयोजन.....

संस्कार उजाला

शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर 71 स्थित छठ घाट पर शिव शक्ति छठ पूजा समिति सेक्टर 71 के द्वारा छठ पूजा के दूसरे दिन सुंदरकांड पाठ व भजन का आयोजन सुंदरकांड समिति शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर 71 नोएडा के द्वारा किया गया जिसमें शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर 71 के लगभग सभी लोगों ने भाग लेने का काम किया। संरक्षक टी एन झा व शैलेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि छठ घाट की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। वहीं प्रमोद पांडे व मनोज जायसवाल ने बताया कि छठ व्रतियों के लिए समिति के द्वारा दूध व फल की व्यवस्था की गई है। गौरव कुमार यादव व कैलाश शाह ने बताया कि कार्तिक माह की पंचमी तिथि को खरना के दिन महिलाएं शाम को गुड़ की खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण करके 36 घंटे का बिना अन्न जल ग्रहण किए उपवास रखती है यह दिन आस्था भक्ति और समर्पण का प्रतीक माना जाता है।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई।

संस्कार उजाला
सलीम खान/आसिम अजीज

रामपुर । उत्तर प्रदेश सांसद मोहिबुल्लाह नदवी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सांसद ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जननी सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन वात्सल्य, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, खाद्य सुरक्षा सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।समीक्षा में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत ढेंचा बीज वितरण सिस्टम, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का लाभ 100 प्रतिशत पाया गया। ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार में कृषि उत्पादन मण्डी समिति रामपुर द्वारा किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए 157 व्यापारियों, 69 आढ़तियों एवं 21250 किसानों को पंजीकृत किया गया है। समीक्षा में राष्ट्रीय पशु रोग नियत्रंण कार्यक्रम में 100 प्रतिशत पशुओं का टीकाकरण पाया गया। बाल संरक्षण एवं सुरक्षा योजना के अन्तर्गत 89 आवेदन पत्रों में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स समिति के माध्यम से बच्चों को लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी ने मा0 सांसद को अवगत कराया कि जनपद में 102 की 20 एम्बुलेंस एवं 108 नम्बर की 24 एम्बुलेंस उपलब्ध है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत रामपुर जनपद में हर घर जल के अंतर्गत 312158 कनेक्शन का लक्ष्य है। माह अक्टूबर में 288907 का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। सांसद ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक शत-प्रतिशत पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि दिशा बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर योजना का लाभ आमजन तक सही ढंग से पहुँचें। बैठक में सांसद ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा हम सभी के जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। हमें जनपद में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के स्तर को काफी ऊंचाइयों तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि संसद में मांग रखी है कि एम्स की तरह एक अस्पताल रामपुर में भी खुले। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पताल के लिए भूमि का चिन्हांकन भी कर लिया जाए। सांसद द्वारा सैदनगर ब्लाक की प्रगति के लिए पूरे सैदनगर ब्लाक को गोद लिया जा रहा है ताकि वहाँ के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा समन्वय बनाकर कार्य किया जाए। बैठक में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया जनपद रामपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत कोई भी आवास लम्बित न रहे। उन्होंने प्रधानाचार्य आईटीआई एवं सेवायोजन अधिकारी को निर्देशित किया कि रोजगार मेले के अन्तर्गत रामपुर के औद्योगिक आस्थानों में स्थानीय अभ्यर्थियों को पूरा मौका मिले जिससे जनपद रामपुर में बेरोजगारी को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि पहले औद्योगिक और रोजगार के मामले में प्रदेश में कानपुर के बाद रामपुर का स्थान रहता था। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी से कहा कि जनपद में अभियान चलाकर अपात्र लोगों का नाम हटाकर पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत सूची में जोड़ा जाए। जिलाधिकारी जोगिन्दर सिंह ने बताया कि जनपद में राशन कार्डों का सत्यापन कार्य कराया जा रहा है और जो अपात्र व्यक्ति पाए जाते हैं उनका नाम हटाकर पात्र को सूची में जोड़ा जा रहा है। जिलाधिकारी ने बैठक में बताया कि रोजगार मेले के अन्तर्गत राजकीय आईटीआई एवं सेवायोजन विभाग द्वारा समन्वय बनाकर स्थानीय अभ्यर्थियों को रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जायेंगे। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी, मुख्य विकास अधिकारी नन्द किशोर कलाल, चेयरमेन जिला सहकारी बैंक मोहन लाल सैनी, ब्लाक प्रमुख मिलक श्रीमती अर्चना गंगवार, ब्लाक प्रमुख चमरौआ श्रीमती हरिबाला, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बिलासपुर चित्रक मित्तल सहित अन्य प्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छठ पूजा की सुरक्षा को लेकर डीजीपी प्रशांत कुमार ने दिए निर्देश

संस्कार उजाला
देवेंद्र कुमार मिश्रा

लखनऊ छठ पूजा को मद्दे नजर रखते हुए पुलिस महानिदेशक ने निर्देश देते हुए कहा छठ पूजा को सकुशल संपन्न करना प्रशासन की जिम्मेदारी है उन्होंने अपने संबोधन में कहा जरूरत के मुताबिक ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए नदी के घाटों, तालाबों ,जलाशयों के किनारे पुलिस,गोताखोरों की तैनाती की जाए जरूरत के मुताबिक कार्यक्रम स्थल की बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड से चेकिंग के चेकिंग करते हुए हर जिले में एंटी रोमियो स्क्वायड को बाजारों में तैनात किया जाएतथा छोटी से छोटी घटनाओं पर भी सीनियर अफसर पहुच कर निगरानी करते हुए नदी के किनारों पर पटाखे चलाने की संभावना को देखते हुए फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की जाए रेलवे स्टेशनों,बस अड्डों पर पर्याप्त सुरक्षा बल उपलब्ध रहे संवेदनशील स्थान की सीसीटीवी कैमरों ,ड्रोन कैमरों से निगरानी,फुट पेट्रोलिंग की जाए सोशल मीडिया पर अफवाह, भड़काऊ मैसेज पर सख्त कार्रवाई की जाए

भारतीय पूर्व सैनिक संघ हापुड़ के संगठन मुनाव की मीटिंग हुई संपन्न

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर
बहराइच

हापुड़ :/सिंभावली भारतीय पूर्व सैनिक संघ हापुड़ (उ प्र) के संगठन के चुनाव हेतु आम सभा की मीटिंग का आयोजन सिंभावली में स्थित ओल्ड नेशनल हाइवे पर चौधरी फार्म में हुआ। आयोजित की गई सभा की अध्यक्षता सूबेदार मेजर ओम बीर सिंह ने एव संचालन चौधरी मनबीर सिंह और कैप्टन राजेश चौधरी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जनरल एस एस अहलावत व महासचिव विंग कमांडर रणवीर सिंह (चुनाव अधिकारी) रहे। आम सभा के दौरान सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि चुनाव से पूर्व चुनाव सम्बंधित समस्त प्रकिया पूरी होनी चाहिए व चुनाव गुप्त मतदान द्वारा कराया जाये। चुनाव होने तक वर्तमान जिलाध्यक्ष कैप्टन राजेश चौधरी का कार्यकाल एक वर्ष तक बढाया जाता है। सभा के समापन से पूर्व पूर्व वायु सेना अधिकारी मनबीर सिंह-संयुक्त सचिव ने सभा का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया। इस मौके पर जीएस सुपर स्पेशलिटी होस्पिटल पिलखुवा द्वारा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित पूर्व सैनिको का मेडिकल चैक-अप एवं दवाए वितरित की गई। आज की सभा में पूर्व सैनिकों की अभूतपूर्व उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री मोदी से छठ पूजा के अवसर पर पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग,छठव्रतियों ने खरना की पूजा कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की

संस्कार उजाला

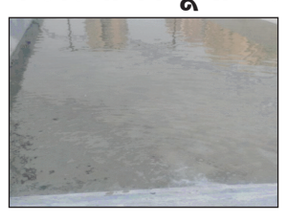

नोएडा,अखिल भारत हिन्दू महासभा और अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने पत्र लिखकर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कल सूर्योपासना के महान पर्व छठ पूजा के दिन सम्पूर्ण देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है।उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा है कि छठ महापर्व भगवान सूर्य की उपासना का महानतम पर्व है।इस महापर्व में छठव्रती चार दिनों तक पूजा करते हैं,जिसमें 36 घन्टे तक तो निर्जला व्रत करते हैं।कठिन पूजा-पाठ,व्रत, उपवास, साफ-सफाई, प्रसाद बनाने आदि में इतना कार्य करना पड़ता है कि छठव्रतियों के साथ परिवार के सदस्य भी अति व्यस्त होते हैं।इसलिये छठ महापर्व पर कार्तिक शुक्ल षष्ठी अर्थात 7 नवंबर को पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाये।श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री से कहा है कि बिहार, झारखंड,दिल्ली, उत्तराखंड आदि प्रदेशों में अवकाश घोषित है।इन प्रदेशों के अतिरिक्त अन्य प्रदेशों में भी बड़ी संख्या में लोग छठ पर्व मनाते हैं।इसलिए पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा शीघ्र किया जाये।श्री शर्मा ने छठ पर्व के अवसर पर अवकाश घोषित करने के लिए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को धन्यवाद दिया है। अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया है कि सूर्योपासना के महान पर्व छठ की तैयारियां नोएडा के कई सेक्टरों में जोरों से चल रही हैं। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने हेतु सेक्टर-75 के गोल्फसिटी,प्लाट-8 में छठ घाट और घाट के निकट सूर्यपिंड पूर्ण रूप से निर्मित हो चुका है।घाट में स्वच्छ जल,प्रकाश आदि की उत्तम व्यवस्था की जा रही है।श्री शर्मा ने बताया कि सूर्योपासना के महान छठ पर्व के दूसरे दिन आज कार्तिक शुक्ल पंचमी को छठव्रतियों ने अपने-अपने घरों में खरना की पूजा की।स्नान करके छठव्रतियों ने सबसे पहले रोटी, चना दाल, चावल का पिट्ठा, चावल, गुड़ की खीर आदि का प्रसाद बनाए।फिर उन्होंने सिंदूर, पान, कसेली, लौंग, कपूर और प्रसाद के साथ भगवान सूर्य और षष्ठी देवी की पूजा की।तत्पश्चात छठव्रतियों ने प्रसाद ग्रहण किए।फिर उनके परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों ने प्रसाद ग्रहण किए। सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में श्री सूर्यदेव पूजा समिति नोएडा द्वारा श्री छठ पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि छठव्रतियों को अर्घ्य प्रदान करने के लिए 60 फीट लंबा, 25 फीट चौड़ा और 4 फीट गहरा तालाब का निर्माण किया गया है।कल 07 नवंबर को सायंकाल अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य देने के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रख्यात भोजपुरी गायिका सरिता सरगम,गायिका पूनम पांडे, गायक एस.डी.सिंह,आदि कलाकारों द्वारा हिन्दी, भोजपुरी, मैथिली, अंगिका, मगही, पंजाबी सहित विभिन्न लोकभाषाओं में गीत संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा, संयोजक ओ पी तिवारी, महासचिव राजीव त्यागी, कोषाध्यक्ष प्रभात राय,सहकोषाध्यक्ष आर.के.श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर, मनीष यादव,मनीष झा,अतुल जैन, अनुराग श्रीवास्तव, अनमोल सिंह, सुनील अग्रवाल,शोभित सक्सेना,विनोद कुमार,घनश्याम गुप्ता,रमाशंकर शर्मा,उत्पल कुमार,प्रभात चंदन,दुगार्दास शाह,संजय कुमार,किरण कुमार, विनय ठाकुर आदि उपस्थित थे। 8 नवंबर को कार्तिक शुक्ल सप्तमी के प्रातःकाल उदीयमान भगवान सूर्य को दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जायेगा।अर्घ्य के उपरांत छठव्रती छठघाट के निकट बने सूर्य पिंडों के पास बैठकर भगवान भास्कर की पूजा करेंगी।अर्घ्य और पूजा के उपरांत छठव्रतियों के 36 घन्टे का निर्जला व्रत समाप्त हो जायेगा और उनके पारण के बाद चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जायेगा। मुन्ना कुमार शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय प्रवासी महासभा

कार्यवाहक डीजीपी प्रशांत कुमार को स्थायी कर सकती है योगी सरकार, कैबिनेट के फैसले ने बदल दिए समीकरण

लखनऊ । डीजीपी के चयन और नियुक्ति के लिए कैबिनेट के फैसले ने कई आईपीएस अफसरों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। मनोनयन समिति के गठन के बाद मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी प्रशांत कुमार को स्थायी करने पर मुहर लग सकती है। इससे उन्हें दो वर्ष तक डीजीपी की कुर्सी संभालने का मौका मिल सकता है।

इससे वे 30 मई 2025 के बजाय 31 जनवरी 2026 को होंगे। उनकी की अवधि पूरी होने के बाद 8 माह का अतिरिक्त समय मिलेगा। दरअसल, प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद 8 डीजीपी तैनात किए जा चुके हैं। इनमें चार स्थायी थे। स्थायी में ओपी सिंह सर्वाधिक दो वर्ष तक डीजीपी रहे। अब कैबिनेट के हालिया फैसले से सीएम योगी के भरोसेमंद अफसरों में शामिल प्रशांत कुमार को भी 2 वर्ष तक डीजीपी की कुर्सी संभालने का मौका मिल सकता है। हालांकि इससे कई आईपीएस अफसर बिना डीजीपी बने हो जाएंगे। इनमें पीवी रामाशास्त्री, आदित्य मिश्रा, संदीप सालुंके, दलजीत सिंह चौधरी, बिजय कुमार मौर्या, एमके बशाल, तिलोत्तमा वर्मा, आलोक शर्मा, अभय कुमार प्रसाद, दीपेश जुनेजा और नीरा रावत शामिल हैं।

प्रशांत की के बाद नए डीजीपी का चयन करने के लिए जुलाई 2026 के बाद ही होने वाले अधिकारियों के नाम पर विचार किया जाएगा। 9 राज्यों में कार्यवाहक डीजीपी यूपी के

अलावा आठ अन्य राज्यों उत्तराखंड, पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिसा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर में भी कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए थे। इनमें से जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन को बीते अगस्त में केंद्र सरकार ने स्थायी कर दिया था जिसके बाद वे 30 सितंबर को हो गए थे।

बाकी 8 राज्यों में नियम विरुद्ध कार्यवाहक डीजीपी बनाने पर सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना नोटिस जारी किया था। इसका जवाब दाखिल करने से पहले राज्य सरकार ने डीजीपी के चयन एवं नियुक्ति की नियमावली बनाकर खुद स्थायी डीजीपी बनाने का रास्ता साफ कर लिया है। इसके साथ ही स्थायी डीजीपी की तैनाती को लेकर यूपी सरकार और संघ लोक सेवा आयोग के बीच करीब ढाई साल से जारी खींचतान भी खत्म हो गई है। 16 अफसरों को किया था सुपरसीड 31 जनवरी 2024 को विजय कुमार के होने के बाद प्रशांत कुमार को कार्यवाहक डीजीपी बनाया गया था। वे 16 आईपीएस अफसरों को सुपरसीड करके कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए थे। इनमें मुकुल गोयल, आनंद कुमार, शफी अहसान रिजवी, आशीष गुप्ता, आदित्य मिश्रा, पीवी रामाशास्त्री, संदीप सालुंके, दलजीत सिंह चौधरी, रेणुका मिश्रा, बिजय कुमार मौर्या, सत्य नारायन साबत, अविनाश चंद्रा, संजय एम. तरडे, एमके बशाल, तनूजा श्रीवास्तव, सुभाष चंद्रा शामिल थे।

संक्षिप्त डायरी

सपा कुशीनगर विधानसभा 333 की मासिक बैठक 9 नवंबर को

कसया, कुशीनगर। समाजवादी पार्टी कुशीनगर विधानसभा 333 में मासिक बैठक 9 नवंबर दिन शनिवार समय 10:30 बजे बाईपास गोपालगढ़ नहर पर स्थित भारत पैट्रोल पंप के बगल में राजेश पांडेय के शिव शक्ति मैरिज हॉल में आयोजित है। यह जानकारी विधानसभा 333 कुशीनगर प्रभारी राजेंद्र यादव ने देते हुए बताया कि मुख्य रूप से राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव उपस्थिति रहेंगे। उन्होंने सभी सेक्टर प्रभारी, सभी जोन प्रभारी संगठन के सभी पदाधिकारी, सभी वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता साथियों से समय से पहुंचकर बैठक कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

स्वर्ण व्यवसायी संजय जायसवाल के जन्मदिन पर बच्चों को दी शिक्षण सामग्री

कसया, कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा नपाप कुशीनगर स्थित प्रावि पकवाइनार डुमरी में शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चों को कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर आदि भेंट कर पढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम कसया नगर के स्वर्ण व्यवसायी संजय जायसवाल के जन्मोत्सव पर उनके सहयोग से सम्पन्न कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग के मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा कि बच्चों के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा कर उन्हें शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना प्रशंसनीय है। उन्होंने बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने और शिक्षण सामग्री का समुचित लाभ उठाने की बात कही।समाजसेवी रत्नेश सिंह ने बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पढ़ लिखकर आप खुशहाल जीवन पाएंगे और देश व समाज को लाभान्वित करेंगे। संचालन नयी दिशा सचिव/पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ0 हरिओम मिश्र एवं आगंतुकों का स्वागत प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर रीना पांडेय, जया तिवारी, तारा देवी, अनीता शर्मा, नयी दिशा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 10 नवम्बर को

कुशीनगर। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल लखनऊ एवं रोटरी क्लब कुशीनगर 3120 द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन नगर पालिका परिषद, कुशीनगर के सभागार में 10 नवम्बर दिन रविवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक किया गया है। उक्त जानकारी रोटरी क्लब अध्यक्ष वाहीद अली ने दी है। शिविर की मुख्य अतिथि नगरपालिका कुशीनगर अध्यक्ष किरन जायसवाल होंगी। शिविर में निःशुल्क परामर्शः जनरल फिजिशियन, हृदय रोग विशेषज्ञ, मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे। ई.सी.जी., ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बी.एम.आई., आंखों और दांतों की निःशुल्क जांच होगी। रोटरी अध्यक्ष श्री अली ने लोगों सेनअपने परिवार व मित्रों के साथ आकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की।

पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा मामलों में नामजद अभियुक्त को एक किलो सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ किया गिरफ्तार

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की राठ पुलिस ने अपराधियो की धरपकड़ के लिये चलाए जा रहे अभियान के तहत आधा दर्जन से ज्यादा मामलों में नामजद राठ के मलवा रोड लुधियातपुरा निवासी शिवम यादव को एक किलो 100 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने अभियुक्त शिवम यादव पुत्र राजबहादुर उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ मु०अ०सं० 489/24 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर से एस आई विनेश गौतम, एस आई रोहित साहू, कांस्टेबल शिवम कुमार सहित कांस्टेबल अभिषेक राजपूत शामिल रहे।

ग्राम सभा जौरा मनरक्खन में निःशुल्क आरओ प्लांट का शिलान्यास

कुशीनगर। सरकार की मंशा है कि ऐसे गरीब परिवारों तक शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जो बाजार से पैसा देकर पानी खरीदने की क्षमता नहीं रखते। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए फाजिलनगर विकास खंड के ग्राम सभा जौरा मनरक्खन में उत्तर प्रदेश मातृ योजना के अंतर्गत निःशुल्क आरओ प्लांट का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार प्रियदर्शी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे परिवार हैं, जो शुद्ध पानी खरीदकर नहीं पी सकते। सरकार का उद्देश्य है कि इन परिवारों तक शुद्ध पानी पहुंचाकर जलजनित बीमारियों से छुटकारा दिलाया जा सके। उन्होंने बताया कि यदि कोई विद्यालय अपने यहां आरओ प्लांट लगवाना चाहता है, तो उसे सरकार 60% अनुदान देगी। साथ ही, यदि कोई व्यक्ति अपनी जमीन पर विवाह भवन का निर्माण कराता है, तो उसे भी 60% अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस कार्यक्रम में भूमिपूजन ग्राम प्रधान गायत्री देवी द्वारा संपन्न कराया गया। सभा को लखनऊ से आए जेई निधि सिंह, अभिषेक दत्ता और आरओ मशीन दानदाता बशिष्ठ तिवारी ने भी संबोधित किया। सभा का संचालन जोकवा खुर्द के ग्राम प्रधान हरीलाल यादव ने किया। इस अवसर पर एडीओ पंचायत अनिरुद्ध सिंह,ग्राम विकास अधिकारी आर.के.राय, प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, मनीष तिवारी,मनोज राव, बबलू राय, अखिलेश प्रसाद,विश्व विजय सिंह, मैनेजर गुप्ता, मोहन कुशवाहा, सीताराम यादव, अजय तिवारी सहित कई ग्राम प्रधान और ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शंभू बरनवाल ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बहुजन समाज पार्टी ने मिजार्पुर माता कॉलोनी में किया प्रचार

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

विधानसभा के विजयनगर मिजार्पुर क्षेत्र में मुस्लिम समाज ने अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया, गाजियाबाद विधानसभा के मुस्लिम समाज और सभी सर्व समाज के लोगों का अपार जन समर्थन प्रेम और आशीर्वाद मिल रहा है मुख्य अतिथि शमसुद्दीन राइन ने बहुजन समाज पार्टी की सरकार के समय पर सर्व समाज को दिए गए पद और प्रतिष्ठा सरकार के कानून व्यवस्था शिक्षा व्यवस्था पर प्रकाश डाला अतिथि मुजाहिद हुसैन ने मुस्लिम समाज से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी पी.एन गर्ग को वोट देने की अपील की कार्यक्रम में मुनव्वर हुसैन अस्सलम अलवी महेश राज जिला अध्यक्ष दयाराम सेन कुलदीप कुमार ओके रवि जाटव पंकज शर्मा पंकज शरण बबलू मुनव्वर हुसैन जी की उपस्थिति रही दयाराम सैन जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी गाजियाबाद

हमीरपुर महिला पुलिस ने बालिकाओं को किया जागरूक

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश की हमीरपुर पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान की रक्षा के लिये चलाये जा रहे मिशन अभियान के तहत जनपद के सभी थानों में तैनात महिला पुलिस कर्मियों सहित मिशन शक्ति टीम ने अपने अपने क्षेत्र के बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों में जाकर जागरुकता अभियान चलाया साथ ही शासन की तरफ से चलाई जा रहीं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट

योजनाओं के बारे में बारीकी से जानकारी दी। इसी के तहत बालिकाओं और महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच , बैड टच के साथ ही उनके अधिकारों सहित महिला अपराधों से बचाव के लिये जागरुक किया गया। महिलाओं, बालिकाओं को बताया गया कि बस,रास्तों,सार्वजनिक स्थल में मनचलों और शोहदों के छेडखानी की घटना किये जाने पर डरने के बजाय फौरन हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर फौरन एफ०आई०आर० लिखायें, जबकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम) का सावधानी से इस्तेमाल करने और जागरुक करने के लिये जरुरी आदेश और निदेर्शों के बारे में जानकारी दी गई। जबकि महिला और बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में बताया गया, साथ ही नियमों के मुताबिक अपने घर और आसपास के लोगों को भी जागरुक करने के लिए कहा गया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेल्पलाइन नंबर-1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमैन पावर लाइन , 181 वीमेन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा सहित 1930 साइवर हेल्पलाइन के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई ।

विधायक पीएन पाठक ने किया आधा दर्जन सड़को का लोकार्पण

कुशीनगर का विकास कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता: पीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने बुधवार को अपने विधायक निधि से निर्मित आधा दर्जन सड़को का लोकार्पण पूरे विधि-विधान पूर्वक किया। इस मौके पर कहा कि क्षेत्र का विकास कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता में है तथा केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा भी विकास कार्य किये जा रहे है। कुबेरनाथ शिव मन्दिर परिसर में 19 लाख की लागत से हुई इंटरलगिंक कार्य का लोकार्पण करते हुये उन्होने बताया कि क्षेत्र के मन्दिरो का विकास मेरे प्राथमिकता में है इसके साथ ही उनके द्वारा हरैया में 8 लाख की लागत से इंटरलाकिंग लोकार्पण भी किया गया । उन्होंने कहा कि कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया जाएगा कोई ऐसा गांव

अछूता नहीं रहेगा जहां पक्की सड़क न हो पूरे प्रदेश में कुशीनगर विधानसभा एक किर्तिमान स्थापित करेगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बच्चा सिंह, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, महंथ राज कुमार गिरी, गोलू सिंह, जनार्दन मिश्रा, नीतीश यादव, राजकुमार शर्मा, वैरिस्टर प्रसाद, दिनेश तिवारी, दुर्गा दयाल तिवारी, कृष्णा पांडेय अजय पटेल आदि लोग मौजूद रहे ।

यूपी सरकार से मांगे ये जवाब

लखनऊ । बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार को मौखिक निर्देश दिया कि फिलहाल ऐसी कोई कारवाई न करें जो कानून सम्मत न हो। उधर, सरकारी वकीलों ने भी कानून सम्मत करवाई करने का आश्वासन दिया। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को चार बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने और याची को इनपर आपत्तियां दाखिल करने का समय देकर अगली सुनवाई 11 नवंबर को नियत की है। हालांकि, मामले में कोर्ट ने अभी कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया है लेकिन, फिलहाल ध्वस्तीकरण नोटिस मामले में 11 नवंबर तक कथित अतिक्रमणकताओं को राहत रहेगी। न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ के समक्ष एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स संस्था की जनहित याचिका बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। याचिका में बहराइच के कथित अतिक्रमणकताओं को बीते 17 अक्तूबर को जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देकर इन्हे रद्द करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या नोटिसें जारी करने से पहले वहां कोई सर्वे किया गया था या नहीं? क्या जिन्हें नोटिसें जारी हुईं वे लोग निर्मित परिसरों के स्वामी हैं या नहीं? नोटिस जारीकर्ता प्राधिकारी इन्हें जारी करने को सक्षम था या नहीं। इन बिंदुओं के अलावा कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है ।

नपाप कुशीनगर अध्यक्ष ने किया छठ घाटों का निरीक्षण, दिए निर्देश

छठ को लेकर कुशीनगर के 130 घाट हुए बने सुंदर

कुशीनगर। आस्था के महान पर्व छठ पूजा को लेकर नगरपालिका परिषद कुशीनगर के अंतर्गत 130 घाटों के सुंदरीकरण, साफ- सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने को लेकर लगातार नपाप अध्यक्ष किरन राकेश जायसवाल स्वयं ही कर्मचारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर रही हैं। वही स्वच्छ घाट प्रतियोगिता-2024 को लेकर विशेष तैयारियां भी की जा रही हैं। बताते चलें कि नपाप के अंतर्गत लगभग छोटे- बड़े 130 घाट हैं।जहां पर छठ उपासना के लिए जाने वाले व्रतधारियों के लिए नपाप द्वारा रास्ते की साफ-सफाई, घाटों की रंगाई- पुताई, सुंदरीकरण आदि के अलावे विशेष सजावट कराया जा रहा है। कई

छठ घाटों पर छठवेदी के साथ ही सीढ़ी का निर्माण कराया गया हैं। छठ घाट स्वच्छता प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन होने के बाद नगरपालिका परिषद के तीन प्रमुख घाटों कसया नगर स्थित श्रीनाथजी शिवमंदिर, भरौली के शिवमंदिर के छठ घाट एवं कुशीनगर के बुद्धाघाट को विशेष रूप से सजाया सँवारा जा रहा है ताकि इस प्रतियोगिता को लेकर प्रदेश में प्रथम स्थान आ सके। इस प्रतियोगिता को लेकर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल सम्बंधित वार्डो के सभासदों के साथ स्वयं पूरी ऊर्जा के साथ लगे हुए हैं। वही अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला मातहतों के साथ हर घाटों की व्यवस्था आदि का निरीक्षण कर रही हैं। इस बाबत नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि कुशीनगर राकेश जायसवाल ने बताया कि स्वच्छ घाट प्रतियोगिता को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। स्वच्छता को बनाने में सभी की भूमिका होगी तभी यह अभियान सफल होगा एवं प्रतियोगिता में स्थान मिलेगा। उन्होंने प्लास्टिक का प्रयोग ना करने, कूड़े को कूड़ेदान में ही डालने एवं सफाई व्यवस्था में सहयोग करने की अपील भी की। छठ घाटों के निरीक्षण के दौरान सभासद राजेश मद्देशिया, शैल देवी, धर्मेंद्र कुमार यादव, राकेश यादव, गुड्डू कुशवाहा, दुर्गेश विश्वकर्मा, अर्जेंद्र कुमार, स्वतंत्र कुमार, सूर्यनाथ यादव ₹सन्तजी₹, प्रकाशचंद्र भारतीय, सुभावती देवी, यशोदा देवी, मधुबाला त्रिपाठी, सोनू त्रिपाठी, शबनम खातून, साबिर अली, शमशाद अंसारी, विनय प्रताप राव, गिरिजेश सिंह, केशव सिंह, प्रभुनाथ सिंह, अमरनाथ जायसवाल, तजमुल नेशा, चंपा देवी, मनीष मिश्र, विनय कुमार गौतम, राजेश जायसवाल, चन्दन राजभर, राहुल सोनी, हरेंद्र जायसवाल, श्याम चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता कुश कुमार, अनिल मद्देशिया आदि मौजूद रहे।

थाना बिहारीगढ़ क्षेत्र में हो रही पशुओं की चोरियां पुलिस की खोल रही है पोल

पुलिस की रात्रि ग्रस्त पर भी उठ रहे हैं सवालिया निशान ग्रामीणों में भय का माहौल बना है,योगी सरकार में बिहारीगढ़ थाने में अपराधिक तत्वों का बोलबाला

संस्कार उजाला

सहारनपुर,। बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से पशुओं की चोरियां हो रही है पशुपालको की नींद हराम हो गई है थाना क्षेत्र में पशुपालक रात्रि में पहरा भी देने को मजबूर हो गए हैं जबकि सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि थाना पुलिस रात्रि में ग्रस्त नहीं कर रही है जिसकी वजह से क्षेत्र में पशु चोरों का हौसला बुलंद होता जा रहा है थाना बिहारीगढ़ में एक सप्ताह के अंदर दूसरी चोरी आज भी हो गई है जो की बिहारीगढ़ सोसायटी रोड से दो भैंस चोरी हो गई है इससे पहले भी दो भैंस रामगढ़ से चोरी हुई थी जिसका आज तो कोई पता पुलिस नहीं लगा पाई है पीड़ित पशुपालक ने जानकारी देते हुए बताया की दोनों भैंस गर्भवती थी एक भैंस का रस्सा चोरों ने काटा है दूसरी भैंस को खोल खोल कर ले गए हैं पहले चोरी में भी दोनों भैंस अलग-अलग जगह बंदी थी ऐसे में पुलिस पर सवाल या निशान उठता है की रात्रि में पुलिस गस्त भी करती है फिर भी चोरों के हौसले बुलंद क्यों है एक तरफ योगी सरकार दावा करती है की एक-एक गुंडे को खत्म कर देंगे अब यह देखना है की पुलिस इन चोरों के मामलों में चोरों को पकड़ती है या नहीं या चोरियों के मामले की पोल खोल पाती है या यूं ही रफा दफा कर देती है उत्तर प्रदेश में योगी सरकार होते हुए भी घाड क्षेत्र में दादाओ का बोलबाला हो रहा है और क्षेत्र से पशुओं की चोरियां लगातार होती जा रही है अब देखते हैं योगी सरकार में इन चोरों पर अंकुश लगता है या नहीं यह तो आने वाला समय ही बताएगा कि होता है क्या

ब्लॉक स्तरीय वार्षिक परिषदीय बाल क्रिड़ा / दिव्यांग प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह सम्पन्न।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

ब्लॉक स्तरीय वार्षिक परिषदीय बाल क्रिड़ा / दिव्यांग प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह कम्पोजिट विद्यालय केवली के प्रांगड़ मे पूर्ण हुई। प्रतियोगिता के शुभारम्भ एवं उद्घाटन समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे उपजिलाधिकारी घोरावल उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन वक्तव्य मे उन्होंने सभी न्याय पंचायतों से आये हुए बच्चों को आशीर्वाद और शुभकामनायें दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य नीरज श्रीवास्तव, खण्ड शिक्षा अधिकारी कर्मा राकेश पांडे, खण्ड शिक्षा अधिकारी छत्र अरविंद कुमार पटेल एवं तहसीलदार घोरावल उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों का स्वागत खंड शिक्षा अधिकारी घोरावल अशोक कुमार सिंह द्वारा किया गया। खेल के प्रारम्भ मे उच्च प्राथमिक विद्यालय कड़िया के बच्चों ने विशेष प्रदर्शन द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी, इसके बाद खेल प्रारम्भ हुआ। खेलकूद प्रतियोगिता मे उच्च प्राथमिक बालक वर्ग मे, 100 मीटर दौड़ मे रवि राज, उच्च प्राथमिक विद्यालय कोहरथा को प्रथम, मोनू,उच्च प्राथमिक विद्यालय धोलो को द्वितीय और चन्दन, उच्च प्राथमिक विद्यालय मराची को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ.. 200 मीटर दौड़ में आशीष उच्च प्राथमिक विद्यालय धोरा कुंड को प्रथम मोनू उच्च प्राथमिक विद्यालय ढोलो को द्वितीय और चंदन कंपोजिट विद्यालय मराची को तृतीय स्थान मिला. 600 मीटर दौड़ में रवि उच्च प्राथमिक विद्यालय औराही परमेश्वर कंपोजिट विद्यालय पेड़ को द्वितीय तथा विकास उच्च प्राथमिक विद्यालय कोहर्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। समूह गान में न्याय पंचायत इनम ने प्रथम तिलौली कला ने द्वितीय और बिसरेखी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंताक्षरी में न्याय पंचायत लहास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। योग में न्याय पंचायत तिलौली कला से उच्च प्राथमिक विद्यालय सतौहा ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक समारोह के मुख्य अतिथि आदर्श कोतवाली कमलेश कुमार पाल जी की गरिमामय उपस्थिति रहे। समापन समारोह मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र मुकुल आनंद पांडे जी रहे ।

संक्षिप्त डायरी

अपराधो पर अंकुश लगा उनकी रोकथाम के लिए व्यापारियों ने किया थाना चिलकाना प्रभारी को सम्मानित

संस्कार उजाला

चेतन शर्मा सहारनपुर चिलकाना थाना प्रभारी कपिल देव को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था ओर अपराधो पर अंकुश लगा उनके रोकथाम के लिए किया व्यापारियों नें सम्मानित। उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला उपाध्यक्ष डॉ कुलदीप चौधरी के नेतृत्व मे आज थाना चिलकाना प्रभारी कपिल देव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर थाना चिलकाना परिसर पहुंचे व्यापारी नेता डॉक्टर कुलदीप चौधरी नें बताया की जबसे थाना चिलकाना प्रभारी के रूप मे कपिल देव नें थाने की कमान संभाली है तब से चिलकाना क्षेत्र मे अपराध के ग्राफ मे लगातार कमी आयी है। व्यापारी नेता, टीनू कोरी, मुदित मित्तल ओर सुधीर सैनी नें कहा की जब से थाना चिलकाना प्रभारी के रूप मे थाना चिलकाना प्रभारी कपिल देव नें चार्ज संभाला है तब से क्षेत्र मे गौकशी जैसे अपराध पर नियंत्रण लगा है अपराधियों मे खौफ है ओर इसी कारण चिलकाना क्षेत्र मे अमन चैन कायम है। वहीं उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के सभी व्यापारियों द्वारा थाना चिलकाना प्रभारी को उनके इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नत होने पर उनके उज्जवल भविष्य की भी शुभकामनायें दी।

प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित हो रही ग्राम चौपाल,मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल में नामित अधिकारियों को उपस्थित रहने के दिए निर्देश

ग्रामीणों की समस्याओं का किया जाए त्वरित निस्तारण - सीडीओ

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर, मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित राजेश महाजन ने बताया कि शासन के उच्च निदेर्शों के क्रम में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल आयोजित की जा रही है। सुमित राजेश महाजन ने कहा कि संज्ञान में आया है कि कतिपय ग्राम पंचायतों में संबंधित नामित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण उनके विभाग से संबंधित समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है। यह स्थिति अत्यन्त ही खेदजनक एवं लापरवाही का प्रतीक है। उन्होने कहा कि उनके द्वारा स्वयं किए जाने वाले भौतिक सत्यापन के दौरान यदि कोई अधिकारी अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने नामित सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि संबंधित सभी अधिकारी नियत दिन को निर्धारित ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम चौपाल में प्रातः 11:00 बजे से समाप्ति तक उपस्थित रहकर जन सामान्य की शिकायतों का मौके पर निस्तारण करते हुए ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। यदि किसी योजना के बारे में कोई व्यवहारिक कठिनाई आती है तो उस कठिनाई को भी निस्तारित किया जाए। सुमित राजेश महाजन ने खण्ड विकास अधिकारियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आगामी दिनों में आयोजित किये जाने वाले ग्राम चौपालों के निर्धारित तिथि से पूर्व उस ग्राम पंचायत में स्वच्छता एवं साफ-सफाई अभियान जन सहयोग से चलाने के निर्देश दिए। उन्होने निर्देश दिए कि ग्राम चौपाल में जन प्रतिनिधियों को खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा आमंत्रित किया जाए। इसमें मनरेगा का मजदूरी भुगतान, समूहों की गतिविधियां, विद्युत सखी, लखपति महिलाएं, टीएचआर प्लान्ट, पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय, टीकाकरण, राशन वितरण, गौआश्रय स्थल, आंगनबाडी, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, एएनएम सेन्टर, कल्याणकारी पेंशन एवं छात्रवृत्तियों का सत्यापन किया जाए। उन्होने कहा कि इसमें आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, कृषि रक्षा से जुडे विषय, प्राकृतिक एंव ऑर्गेनिक खेती, हर घर नल से जल तथा सुशासन जैसे विषयों पर अनिवार्य रूप से चर्चा की जाए। प्रत्येक ग्राम चौपाल में संबंधित ग्राम के लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक भी उपस्थित रहेंगे तथा चकमार्ग, सार्वजनिक भूमि, आदि की पैमाईश का कार्य भी चौपाल दिवस में कराया जाए। इसमें सभी विभागों के संबंधित ग्राम स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायत बनने के लिए प्रेरित किया जाए। ग्राम चौपाल में खण्ड विकास अधिकारी ग्राम से बाहर रहने वाले व्यक्तियों का विवरण, स्वतंत्रता सेनानी, स्टेट एवं नेशनल लेवल के खिलाडी से युक्त एक बुकलेट तैयार करें। सभी खण्ड विकास अधिकारी एवं नोडल अधिकारी यहां उठाई गयी समस्याओं एवं उसके निस्तारण की प्रविष्टि से संबंधित एक रजिस्टर तैयार करें। चौपाल के एक माह बाद उसी ग्राम में शनिवार को तहसील एवं समाधान दिवस को छोडकर समस्या का फीडबैक प्राप्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी को इससे अवगत कराना सुनिश्चित करें। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ही चौपाल से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करवाया जाए तथा प्रत्येक चौपाल एक डिजिटल डायरी तैयार की जाए जिसमें कार्यक्रम के फोटोग्राफ्स भी सम्मिलित हों। इसको जनपद स्तर पर संरक्षित रखा जाए।

संक्षिप्त डायरी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मतदान तिथि परिवर्तन के बारे में दी जानकारी

संस्कार उजाला

मीरजापुर - जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दल के पदाधिकारियों के साथ मतदान दिवस दिनांक 13 नवम्बर के स्थान पर 20 नवम्बर होने के दृष्टिगत की सूचना दिए जाने के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 13 नवम्बर बुधवार को होने वाले मतदान की तिथि को संशोधित करते हुए अब मतदान की तिथि 20 नवम्बर दिन बुधवार को कर दी गयी है, जबकि मतगणना प्रक्रिया पूर्व की ही भांति दिनांक 23 नवम्बर को सम्पन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि बी0एल0ओ0 घर-घर मतदाताओं को मतदान हेतु दी जाने वाली पर्ची पर 20 नवम्बर मतदान होने के सम्बन्ध में पर्ची पर मुहर लगाते हुए मतदाताओं को जानकारी देंगे। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों/पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे भी अपने स्तर से मतदाताओं को 20 नवम्बर को मतदान होने के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए जागरूक करें। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी सदर/रिटर्निंग आफिसर 397-मझवां विधानसभा उप निर्वाचन- गुलाब चन्द्र, जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द, समाज विकास क्रान्ति पार्टी से तपन कुमार, समाजवादी पार्टी से निर्वाचन अभिकर्ता चन्द्रमा प्रसाद, मोहन लाल प्रतिनिधि निर्दल, अनिल कुमार बिन्द निर्वाचन अभिकर्ता निर्दल, भारतीय जनता पार्टी से रविशंकर पाण्डेय, प्रगतिशील मानव समाज पार्टी से रामचन्द्र, राष्ट्रीय समाज पक्ष पार्टी से अनिल कुमार पाल, आम आदमी पार्टी से दिलीप सिंह गहवार, बासपा से सद्दाम राईन सहित अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने कराई धान की फसल की क्राप कटिंग

संस्कार उजाला

मीरजापुर - जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा आज जनपद में धान की उत्पादकता को परखने के दृष्टिगत तहसील सदर अन्तर्गत राजस्व ग्राम हरिहरपुर में धान के फसल की क्राप कटिंग स्वंय अपने सामने सम्पादित कराई गई। कृषक विद्याकान्त पुत्र श्री तुलसी के खेत में क्राप कटिंग के दौरान सी0सी0सी0ई0 प्लाट फील्ड क्राप का क्षेत्रफल 43.3 वर्ग मीटर में क्राप कटिंग कराकर वजन को परखा गया जिसमें कुल 24.37 किलोग्राम उत्पादन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर नायाब तहसीलदार पहाड़ी राहुल मिश्रा, अपर सांख्यिकी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक देवरी व क्षेत्रीय लेखपाल तथा बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहें।

एक गरीब किसान ने जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर को प्रार्थना पत्र देकर मांगा इंसाफ

संस्कार उजाला सहारनपुर

देवबंद थाना क्षेत्र के गांव हाशिमपुर निवासी एक गरीब किसान ने जिलाधिकारी ववरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई हैकी उसकी जमीन का फर्जी बैनामा कराकर कुछ अपराधिक प्रवृति के लोगो के द्वारा नुकसान पहुंचाने की नियत से भूमाफियाओ के द्वारा परेशान किया जा रहा है उक्त जमीन पर हमारा करीब 60सालो से अधिक समय से कब्जा है उस जमीन पर हमने रेत व ईंट आदि डाल रखा है और वही पर उठते बैठते हैं उसी जमीन के एक हिस्से का इन भूमाफियाओं तथा अपराधिक व्यक्ति यो के द्वारा फर्जी तरीके से बैनामा कराकर हमारी जमीन को कब्जाने की फिराक में है और हमे परेशान किया जा रहा है तथा हमे उन लोगों से जान मांल का भी खतरा बना हुआ है जिलाधिकार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई है कि उनके साथ इंसाफ किया जाय और दोसियो के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए

गंगोह ग्रामीण क्षेत्र मे गंदगी का अम्बार, संक्रामक रोगो का खतरा,ग्रामीण क्षेत्र मे कचरे के ढेर, सड़क पर बह रहा गंदा पानी

संस्कार उजाला संवाददाता

सहारनपुर। गंगोह ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रो के रास्तों में गंदगी के ढ़ेर और अटी नालियां गांवों की मजबूरी बनी है। स्वच्छ भारत अभियान अधिकतर गांवों में दम तोड़ता दिखता है। ग्रामीण अपने बूते ही स्वच्छता बनाए रखें अलग बात है वरना गांवों में नियुक्त सफाईकर्मियों के भरोसे अभियान का सफल हो पाना मुमकिन नहीं है। दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर सफाई कर्मियों से स्वच्छता के बजाए अन्य काम लिया जा रहा है। गंगोह ब्लॉक के दर्जनों गांवों में स्वच्छता मिशन का कचूमर निकल गया है। यहां भी सफाईकर्मियों को ब्लाकों में तैनात अफसरों की सेवा में लगाया गया है। इसमें बीडीओ से लेकर एडीओ तक शामिल हैं। जिन्हें गांवों की सफाई नहीं अपनी खिदमत और चकारी अधिक पसंद है। ग्रामीणों का कहना है की गलियों को चमकाने वाले सफाई कर्मियों को विकास खंडों में अधिकारियों ने अपनी अपनी खिदमत में लगा रखा है। कई सफाईकर्मी ब्लाक अधिकारियों की सेवा में लगाए गए हैं। तो कई जिले पर बड़े अफसरों की सेवा में तैनात किए गए हैं। वही गंगोह ब्लॉक के बुड्ढाखेड़ा समेत गांवो मे जायदातर गांवों में चारों तरफ गंदगी का अंबार फैला हुआ है। लोग बजबजाती नालियों और कूड़े के ढेर से परेशान हैं। क्षेत्र के ग्रामीणों मे रमेश, जोनी, महकसिंह, नमन सैनी, ओमसिंह, रीना देवी, शालू, मोनिका, विशाल, राजसिंह, आदि ने बताया की हालत यह है कि गंगोह विकास खंड में सैकड़ो सफाईकर्मी हैं। गांवों की सफाई की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लेकिन कागजों पर ये गांव में ही सफाई का ही कार्य कर रहे हैं। इसी तरह गांव मे लंबे समय से सफाई नहीं कराने से नाले-नालियां कचरे से अटे हुए हैं। नालियों में इतना कचरा भरा है कि पानी की निकासी नहीं हो पाती है। और घरों का गंदा पानी सड़क के ऊपर होकर बहता रहता है। पानी जमा होने और गंदगी के कारण बदबू उठने लगी है। इससे बीमारी फैलने का डर सताने लगा है। किनारे पड़ा कचरा यहां से फैलकर कचरा नालियों में जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया की बीमारी फैलने के भय से ग्रामीण खुद नालियों की सफाई करने पर मज बूर हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी की, लेकिन कुछ नही हुआ। वही ग्रामीणों ने गाव मे साफ सफाई कराने की मांग की है।

योगी सरकार गन्ने का लाभकारी मूल्य ₹700 कुंतल तत्काल घोषित करें- भगत सिंह वर्मा।

गन्ना किसानों को बकाया भुगतान व ब्याज तुरंत दिलाए सरकार - भगत सिंह वर्मा।

संस्कार उजाला

मनोज त्यागी सहारनपुर/ देवबंद मे ग्राम गंगदासपुर जट में एक बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि डेढ़ माह से गन्ना सीजन शुरू हो चुका है। और प्रदेश की अधिकांश चीनी मील चल चुकी हैं। इसके बावजूद भी अभी तक भाजपा की योगी सरकार ने गन्ने का मूल्य घोषित नहीं किया है। अभी भी पिछले वर्ष का गन्ना भुगतान व पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज चीनी मिलों पर बकाया है। पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज 73 करोड रुपए त्रिवेणी शुगर मिल देवबंद पर बकाया है। पड़ोसी चीनी मिल गांगनौली पर पिछले वर्ष का गन्ना भुगतान व ब्याज अभी तक बकाया है। जिस पर प्रदेश की योगी सरकार मौन बनी हुई है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार गन्ना उत्पादन पर बढ़ती हुई लागत को देखते हुए गन्ने का लाभकारी मूल्य ₹700 कुंतल तत्काल घोषित करें। इस वर्ष गन्ने की उत्पादन लागत 550 रुपए कुंतल है। डॉ एम एस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 32 + 50% के तहत गन्ने का लाभकारी मूल्य₹825 कुंतल होना चाहिए। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि जिन चीनी मिलों पर पिछले वर्ष का गन्ना भुगतान व ब्याज बकाया है उन्हें गन्ना किसानों से दुलाई किराया काटने का अधिकार नहीं है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि कृषि यंत्र खाद बीज कीटनाशक डीजल से जीएसटी हटाकर किसानों की फसलों की लागत कम कराई जाए। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य तो दूर सरकार लागत मूल्य भी नहीं दिला रही है जिसके कारण किसानों को अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने में परेशानी हो रही है और उनकी फीस भी फसलों से नहीं निकल रही है और किस के बुजुर्ग माता-पिता को दवाई की व्यवस्था भी नहीं हो पा रही है। अन्नदाता किसानों पर लगातार कर्ज बढ़ता जा रहा है। भगत सिंह वर्मा ने सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही गन्ने का लाभकारी मूल्य ₹700 कुंतल घोषित नहीं किया और चीनी मिलों से पिछले वर्ष का गन्ना भुगतान व ब्याज नहीं दिलाया तो गन्ना किसान सड़कों पर आकर बड़ा आंदोलन करेंगे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मुर्तजा त्यागी ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर ही गन्ना किसानों की समस्याएं हल होगी। पृथक राज्य के लिए किसान मजदूर छोटे व्यापारी दुकानदार बुद्धिजीवी वकील पत्रकार युवा और छात्र आगे आकर संघर्ष में भागीदारी करें। बैठक का संचालन करते हुए प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार किसान विरोधी है। और गन्ना किसानों की घोर उपेक्षा कर रही है जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष मांगेराम यादव जिला मंत्री महबूब हसन हाजी बुद्धू हसन मोहम्मद बारीक त्यागी मोहम्मद तसलीम रविंद्र चौधरी आकाश चौधरी अमन सिंह गिल पदम सिंह अमित कुमार सुमित वर्मा संत सिंह समरपाल सिंह सुरेंद्र प्रधान ने भाग लिया।

25 हजार रुपये का ईनामिया सहित 03 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

कोन/सोनभद्र। आगामी विधानसभा चुनाव झारखण्ड प्रदेश एवं जनपद कानून व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही करने एवं उनमें संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी ओबरा के पर्यवेक्षण एवं नेतृत्व में दिनांक-06.11.2024 को थाना कोन पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र अन्तर्गत चाचीकला पुल के पास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी कि चेकिंग के दौरान एक कार से 03 अभियुक्तों के कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर मय 02 अदद जिंदा कारतूस, 01 किग्रा 400 ग्राम व 01 किग्रा 200 ग्राम गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया । बरामदगी एवं गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना कोन पर मु0अ0सं0- 125/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम कामरान पुत्र सिराजुद्दीन तथा मु0अ0सं0-126/2024 धारा 08/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग बनाम बाबू पुत्र मोहन व पियुष सेठ पुत्र स्व0 सतीश सेठ के विरुद्ध पंजीकृत कर माननीय न्यायालय भेजा गया । इस मामले में लगभग आधा दर्जन अभियोग में लिप्त एवं अन्तर्जनपदीय बकरी चोर/गो तस्करी में संलिप्त शातिर अभियुक्त कामरान पुत्र सिराजुद्दीन निवासी ग्राम शेरपुर विशेश्वरपुर, थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा दिनांक-28.10.2024 को 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था । जिसके पास से 01 अदद तमंचा बरामद किया गया है ।

04 नफर वारण्टी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

ओबरा/सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के द्वारा जनपद के वाँछित/ वारण्टी/ पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल निर्देशन में थाना ओबरा पुलिस टीम द्वारा दिनांक 06.11.2024 को भिन्न-भिन्न मामलों में कुल 04 नफर वारण्टी अभियुक्तों गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त में संजय कुमार पाण्डेय पुत्र कान्तदेव पाण्डेय निवासी से0नं0 02 डीटी 76 थाना ओबरा जनपद सोनभद्र, पंकज कुमार वर्मा पुत्र कपूरचन्द्र वर्मा निवासी चूड़ीगली थाना ओबरा जनपद सोनभद्र, सिराज अंसारी पुत्र इब्राहिम अंसारी निवासी से0नं0 10 वक्र 33-7 ओबरा कालोनी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र, जितेन्द्र गौड़ पुत्र स्व0 लल्लू निवासी बघमनवा बिल्ली चढाई थाना ओबरा जनपद सोनभद्र है।

संक्षिप्त डायरी

14 नवम्बर को होगा एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, राजकीय आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन द्वारा संयुक्त रूप 14 नवम्बर 2024 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 15 प्रतिष्ठित कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। सहायक निदेशक सेवायोजन अरूण कुमार भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई इत्यादि पास एवं 18 से 35 वर्ष की आयु के हों तो 14 नवम्बर को प्रातः 10:00 बजे क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते है। प्रतिभागी इच्छुक अभ्यर्थियों को roj-gaarsangam.up.gov.in व ncs.gov.in पर ऑनलाईन पंजीकरण करना अनिवार्य है और पंजीकरण करने के पश्चात पंजीकरण स्लिप यूजर आईडी व पासवर्ड के साथ बायोडाटा की छायाप्रति अपने साथ लायें।

ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे गन्ने की चर्खियों जलाई जा रही है रबड़ ,किसान यूनियन महाशक्ति ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

संस्कार उजाला सहारनपुर

सहारनपुर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी सदर को ज्ञापन को दिया। किसान नेता रविन्द्र त्यागी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में ग्रामीण क्षेत्रों में गन्ने की चर्खियों मे रस पकाने के लिए भट्टी में पुराने जूते चप्पल टायर आदि जलाए जा रहे है,जिससे निकलने वाले खतरनाक धुएँ से प्रदूषण फैल रहा है,आम जन का सांस लेना मुश्किल हो रहा है ।प्रतिनिधि मंडल जिसमे रविंद्र त्यागी जिला वरिष्ठ प्रभारी, अरविन्द त्यागी प्रदेश मुख्य महासचिव, तसव्वुर चौहान, जिला अध्यक्ष मजदूर मोर्चा, शौरभ त्यागी, जिला उपाध्यक्ष, खालिद महासचिव, गोपाल त्यागी जिला संरक्षक आदेश त्यागी, मुकेश त्यागी सतेन्द्र त्यागी, फरमान अली, मरगुब अली नदीम, शकील अहमद,मोहित शर्मा आदि शामिल रहें।

महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान

संस्कार उजाला संवाददाता

सहारनपुर जनपद मे महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान तथा स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति फेज-5 के तहत एंटिरोमियो टीमों/महिला पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न स्थानो पर महिलाओं/बालिकाओं को कानूनी प्रावधानों जैसे-शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा आदि के बारे में जानकारी दी गई तथा बच्चों के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न , छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, सोशल मीडिया के दुष्प्रयोग से बचने आदि, मुद्दों पर गोष्टी सेमिनार कार्यशाला आदि का आयोजन कर जागरूक किया गया। साथ ही वूमन एम्पावरमेंट संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध, 108 एंबुलेंस सेवा व 112 पुलिस आपातकालीन सेवा आदि के सम्बन्ध मे पम्पलेट वितरित कर जानकारी दी गई ।

सहारनपुर नगर विधायक राजीव गुम्बर ने कहा महानगर का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता

संस्कार उजाला मनोज त्यागी

सहारनपुर कनगर विधायक राजीव गुम्बर ने अपनी विधायक निधि से बनाई जाने वाली सड़क व नाली निर्माण का शिलान्यास करते हुये कहा कि महानगर का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है-आज विधायक निधि से राधा विहार गोपाल नगर में देवी शर्मा के मकान से संजीव कुमार के मकान तक बनने वाली सड़क व नाली निर्माण का शिलान्यास करते हुए उन्होंने कहा कि नगरवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा दिलाये जाने व महानगर का समग्र विकास ही उनकी प्राथमिकता है- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे हैं-इन सड़क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। महानगर में बेहतर रोड़ कनेक्टिविटी के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं-उन्होंने कहा कि ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार सभी सड़को को विभिन्न माध्यमो से गड्ढामुक्त कराया जा रहा है और शीघ्र ही महानगर की एक नई तस्वीर जनता के सामने होगी-इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा महामंत्री योग चुघ, मंडल अध्यक्ष राजकुमार कालड़ा, पार्षद के के बत्रा, अक्षु छाबड़ा, विनोद चोजड, हितेश शर्मा, राहुल झांब, सुमित अरोड़ा, गगन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे!

अब लॉरेंस बिश्नोई बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के गवाहों के पीछे पड़ा, कर रहा धमकी भरा फोन कॉल

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है। विजयादशमी के दिन यानी 12 अक्टूबर को मुंबई के बांद्रा स्थित खेरवाड़ी जंक्शन इलाके में बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दौरान बाबा सिद्दीकी के आसपास कई लोग मौजूद थे। पुलिस ने इन लोगों के बयान दर्ज करना शुरू किया। जब यह प्रक्रिया चल रही थी, तो यह पता चला कि एक गवाह को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी भरा फोन आया था। इस मामले में संबंधित प्रत्यक्षदर्शी ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया है कि उक्त शख्स के पास कुछ दिन पहले एक अनजान शख्स का फोन आया। इस अज्ञात शख्स ने गवाह को धमकाया और उससे 5 करोड़ रुपये की मांग की। पैसे न देने पर चश्मदीद को जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस का शुरुआती अनुमान है कि फोन लॉरेंस बिश्नोई गैंग का है। बहरहाल अब पुलिस गवाहों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाती है ये तो आने वाले समय में ही पता चलेगा।

सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों की अब खैर नहीं, 5200 लोगों पर लगा 9 लाख का जुर्माना

सूरत । शहर में सार्वजनिक जगहों पर थूंकना लोगों को महंगा पड़ सकता है। पहली बार सूरत में सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। सूरत नगर निगम (एसएमसी) ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहली बार बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की है। एसएमसी ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी करने वालों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया है। दिवाली-न्यू ईयर समेत सड़क पर थूकने पर 5200 लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। पुलों, डिवाइडरों, सड़कों और सर्किलों के पेंटवर्क को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई की गई है। साथ ही कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के 4500 सीसीटीवी से अब 24 घंटे निगरानी की जाएगी। दरअसल त्योहारों को लेकर महोत्सव ताने सूरत के सभी जोन में करोड़ों की लागत से पुल-सड़कों, सर्किलों का रंग-रोगन किया गया था। लेकिन सौंदर्यीकरण को मावा-गुटखा खाकर थूकने वालों ने बिगाड़ दिया। इसके चलते सार्वजनिक स्थानों पर खबरें थूकने वालों के खिलाफ कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के 4500 कैमरों से निगरानी कर थूकने वालों को पकड़ा गया है। सीसीटीवी के जरिए ऐसे 5200 लोगों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया गया है। एसएमसी का दावा है कि सूरत में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की गई है। हालांकि कार्रवाई के बाद भी ऐसे थूकने वाले सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसलिए नगर निगम ने आने वाले दिनों में सख्ती बढ़ाने और जुर्माने की राशि दोगुनी करने की तैयारी शुरू कर दी है।

पी चिदंबरम ने एयर इंडिया पर लगाए बदइंतजामी के आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने एयर इंडिया के स्टाफ पर बदइंतजामी के आरोप लगाए हैं। खास बात ये है कि चिदंबरम ने ये आरोप सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लगाए हैं। 15 मिनट से वो एयरो ब्रिज पर खड़े होकर फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे, लेकिन विमान का दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने ट्वीट किया है। पी चिदंबरम ने एक्स पर ट्वीट किया, दिल्ली से चेन्नई जा रही उड़ान एआई 540 के सभी यात्री पिछले 15 मिनट से एयरो ब्रिज पर खड़े हैं। हमें गेट पर चढ़ने के लिए मंजूरी दे दी गई थी, लेकिन विमान के दरवाजे पर इंतजार करने के लिए कहा गया था। यात्री प्रस्थान समय के 10 मिनट बाद ही सवार हो रहे हैं। कोई नहीं जानता कि फ्लाइट कब रवाना होगी। इसके बाद कांग्रेस के सीनियर नेता ने लिखा, मैं एयर इंडिया से अक्सर यात्रा करता रहा हूं। मुझे खेद है कि प्रबंधन के सरकार से निजी क्षेत्र में हाथ बदलने के बाद से व्यावहारिक रूप से कोई सुधार नहीं हुआ है। मैं उड़ान के कई पहलुओं को सूचीबद्ध कर सकता हूं, जिन्हें एक सक्षम प्रबंधन द्वारा बेहतर बनाया जा सकता है। मुझे लगता है कि एयर इंडिया में विभिन्न स्तरों पर सक्षम प्रबंधकों की कमी है।

पटना-नई दिल्ली पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर। त्योहारों के अवसर पर यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए कई पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में छठ पर्व बाद नई दिल्ली जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए एक जोड़ी अतिरिक्त पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 03329 पटना-नई दिल्ली पूजा स्पेशल 09.11.2024 एवं 11.11.2024 को पटना से 14.05 बजे खुलकर दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते अगले दिन 08.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 03330 नई दिल्ली-पटना पूजा स्पेशल 10.11.2024 एवं 12.11.2024 को नई दिल्ली से 09.30 बजे खुलकर पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर के रास्ते अगले दिन 02.20 बजे पटना पहुंचेगी। इस बात की जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने एक विज्ञप्ति में दी। न यादव ने इस बार कड़ा रुख अख्तियार किया है।

आईसीजी महिपालपुर में डेटा सेंटर बनाएगा, आधारशिला रखी गई

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) नई दिल्ली के महिपालपुर में डेटा सेंटर बनाएगा। आईसीजी के उप महानिदेशक (नीति एवं योजना) एवं महानिरीक्षक (आईजी) आनंद प्रकाश बडोला ने प्रोजेक्ट डिजिटल कोस्ट गार्ड (डीसीजी) के टियर-III के तहत डेटा सेंटर की आधारशिला रखी। नवीनतम तकनीक से लैस यह डेटा सेंटर महत्वपूर्ण आईटी संसाधनों की निगरानी और प्रशासन के लिए मस्तिष्क केंद्र के रूप में काम करेगा, जिससे आईसीजी के प्रशासनिक कामकाज को महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

बीजेपी सरकार यदि अटलजी का नजरिया अपनाती तो कश्मीर की स्थिति अलग होती

सीएम उमर अब्दुल्ला ने की पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जमकर तारीफ

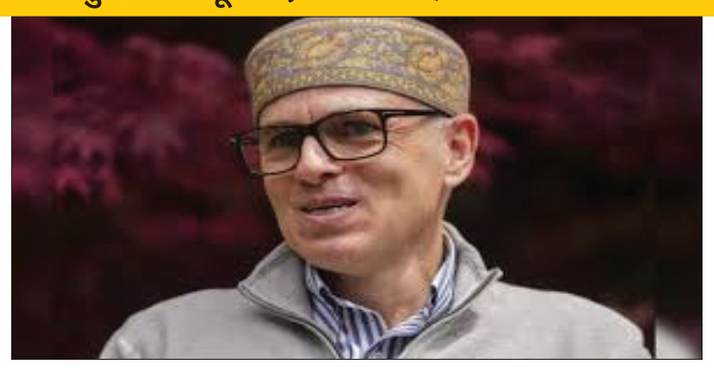

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र मंगलवार को शुरू हो गया है, जिसमें सीएम उमर अब्दुल्ला ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जमकर तारीफ की है। श्रद्धांजलि सभा में सीएम उमर ने अटल जी को याद करते हुए उनके दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि अगर केंद्र में बीजेपी सरकार ने अटलजी का नजरिया अपनाया होता, तो जम्मू-कश्मीर की स्थिति आज अलग ही होती।

उमर अब्दुल्ला ने बताया कि अटलजी ने हमेशा जम्मू-कश्मीर में स्थिति को सुधारने की कोशिश की। अटलजी ने 1999 में दिल्ली-लाहौर बस यात्रा चलाने के दौरान पाकिस्तान की मीनार-ए-पाकिस्तान का दौरा किया था, जो एक कठिन कदम था। इसके बाद उन्होंने सरहद पर खड़े होकर कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। अटलजी का यह विचार था कि बातचीत ही एकमात्र रास्ता है और उन्होंने कई असफलताओं के बावजूद बार-बार दोस्ती का हाथ बढ़ाया।

सीएम उमर ने कहा कि अटल बिहारी जी ने एलओसी के पार रास्तों को खोलने के लिए काम किया, जिससे लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने की कोशिश की, लेकिन बाद में ये रास्ते बंद कर दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि आज जम्मू-कश्मीर को अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही है, जबकि अटलजी का दृष्टिकोण हमेशा समग्रता और संवाद पर आधारित था। उमर अब्दुल्ला ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को भी श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। उमर ने मुखर्जी की कड़ी मेहनत और राजनीति में उनके संघर्ष की तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा कि मुखर्जी ने सभी पदों के साथ न्याय किया और उन्होंने राजनीति में एक बड़ा योगदान दिया।

इसके अलावा सीएम उमर अब्दुल्ला ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी और बीजेपी नेता देवेंद्र सिंह राणा को भी श्रद्धांजलि दी। राणा के निधन पर उन्होंने कहा कि चुनावी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद उनके साथ मेरे बहुत अच्छे रिश्ते थे। मैं नहीं जानता था कि वह इतने बीमार हैं, अगर मुझे पता होता तो मैंने हमारे रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश की होती। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि श्रद्धांजलि देने के लिए तैयार की गई दिवंगत लोगों की सूची में शामिल सभी 56 लोगों ने जनता की सेवा में अपना योगदान दिया है।

वाराणसी में सामूहिक हत्याकांड से 28 साल पुरानी यादें ताजा

वाराणसी । वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के भदैनी इलाके में हुए सामूहिक हत्याकांड ने 28 साल पुरानी यादें ताजा कर दी। बता दें कि मंगलवार की सुबह शराब ठेकेदार राजेंद्र गुप्ता, उनकी पत्नी, दो बेटे और बेटी के शव उनके घर में मिले थे जिनकी गोली मारकर हत्या की गई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है। इस सामूहिक हत्याकांड ने 28 साल पुरानी त्रासदी की यादें ताजा कर दी हैं, जब इसी घर में 1996 में राजेंद्र के भाई कृष्ण कुमार गुप्ता और उनकी पत्नी मंजू गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कृष्ण कुमार और उनकी पत्नी की मौत के बाद राजेंद्र ने उनके दोनों बेटों विक्की और जुगनू उर्फ प्रशांत तथा बहन डॉली की जिम्मेदारी संभाली थी। 1997 में राजेंद्र के पिता लक्ष्मी गुप्ता और उनके गार्ड की भी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में राजेंद्र पर आरोप लगे और उसे जेल भी जाना पड़ा, लेकिन बाद में कोर्ट से जमानत मिल गई। पुलिस पुराने मामले को देखते हुए इस नए हत्याकांड की जांच कर रही है और उनका मानना है कि हो सकता है कि इस घटना को पेशेवर शार्प शूटर ने अंजाम दिया हो। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि इस केस की जांच में हर एंगल को ध्यान में रखा जा रहा है और एक विशेष टीम को इस काम में लगाया गया है। इस दिल दहला देने वाली घटना ने वाराणसी में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मामले में वाराणसी पुलिस कमिश्नर ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल फोन की हिस्ट्री खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस राजेंद्र के भतीजे जुगनू उर्फ प्रशांत से पूछताछ कर रही है, लेकिन दूसरे भतीजे विक्की से संपर्क नहीं हो पाया है, क्योंकि उसका फोन बंद है।

मोदी और शाह के नेतृत्व में देश का सियासी स्तर गिरा

-संजय राउत ने केंद्रीय नेतृत्व को लिया निशाने पर

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन दोनों के नेतृत्व में देश का सियासी स्तर नीचे चला गया है। संभवत-यही वजह है कि बीते दिनों शरद पवार ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। लेकिन, हम जैसे सभी लोग जो उन्हें चाहते हैं, उनसे आग्रह करना चाहेंगे कि वो राजनीति से अभी संन्यास ना लें।

उन्होंने कहा, कि शायद यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शरद पवार भारतीय राजनीतिक जगत के सर्वाधिक वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। उनके जैसा वरिष्ठ नेता भारतीय राजनीति में मौजूदा समय में कोई दूसरा नहीं है। हम सभी लोगों ने उनसे राजनीति का पाठ पढ़ा और सीखा है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की यात्रा के दौरान अमिट छाप छोड़ी है। ऐसे में उनकी उपेक्षा को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन, इस बात को भी खारिज करना गवारा नहीं रहेगा कि मौजूदा वक्त में जिस तरह से राजनीति का स्तर नीचे चला गया है, वो निंदनीय है। शायद इसी वजह से पवार ने बीते दिनों चुनाव ना लड़ने की इच्छा जाहिर की। लेकिन, हम चाहेंगे कि वो राजनीति में बने रहें। इसी बीच उन्होंने देवेंद्र फडणवीस को भी आड़े हाथों लिया और कहा, कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि, यहां एक बात मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उनका विरोध करने से कुछ होने वाला नहीं है। उद्धव ठाकरे स्पष्ट कर चुके हैं कि हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनेगा। लेकिन, ना जाने क्यों कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। इसी के साथ सवाल करते हुए राउत ने कहा, कि जब अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो सकता है, तो हमारे महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर क्यों नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनवाकर रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के दौरान भी कई फडणवीस थे, जिन्होंने उनका विरोध किया था। लेकिन, उनके वजूद पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आई थी। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि कोई उनका कितना भी विरोध क्यों ना करे, लेकिन उनकी अस्मिता पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आने वाली है।

भड़काऊ भाषण देकर बुरे फंसे मिथुन चक्रवर्ती, उत्तर 24 परगना में दिए गए बयान को लेकर दर्ज की गई एफआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कार्यक्रम में 'भड़काऊ' बयान को लेकर अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। चक्रवर्ती ने भाजपा के सदस्यता अभियान कार्यक्रम के पश्चिम बंगाल चरण में कथित 'भड़काऊ' बयान दिया, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चक्रवर्ती के खिलाफ शिकायत 27 अक्टूबर को साल्ट लेक इलाके में ईजेडसीसी में एक भाजपा कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण से संबंधित है, जिसके आधार पर पुलिस ने विधाननगर दक्षिण पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

बिधाननगर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने मामले की जांच शुरू कर दी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने एफआईआर को 'प्रतिशोध की राजनीति' का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि उनके भाषण में कुछ भी उत्तेजक नहीं है। ये कुछ और नहीं बल्कि पुलिस को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर उन्हें डराने की कोशिशें हैं। इस साल की शुरुआत में भारत का सर्वोच्च फिल्म सम्मान, दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने वाले चक्रवर्ती ने 27 अक्टूबर को कहा था कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल का ÷मसनद÷ (सिंहासन) भाजपा का होगा, उन्होंने कुछ भी करने का वादा किया था। लक्ष्य हासिल करने में लगता है।

ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर (ईजेडसीसी) में कार्यक्रम में बोलते हुए, चक्रवर्ती ने कहा कि 2026 में मसनद हमारा होगा, और हम लक्ष्य हासिल करने के लिए सब कुछ करेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं पर टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की सांप्रदायिक टिप्पणियों के स्पष्ट संदर्भ में, चक्रवर्ती ने चेतावनी दी कि किसी को भी भगवा पार्टी के मतदाताओं को अगले विधानसभा चुनावों में मतदान से दूर रहने के लिए डराने-धमकाने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

हमें स्वदेशी समुदायों की विशिष्टता और पुराने बाशिंदों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए : बीरेन सिंह

इंफाल । मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने थाडौ सम्मेलन में पारित उस प्रस्ताव पर संतोष जताया, जिसमें राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और राज्य के मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी सरकार शांति लाने के नाम पर बाहरी लोगों को शामिल करके अपनी नीतियों से समझौता नहीं करेगी। पिछले हफ्ते गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन में थाडौ जनजाति ने एनआरसी और राज्य के 'मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध' अभियान के प्रति समर्थन जताया था। थाडौ कुकी समुदाय में सबसे बड़ी जनजाति है। हालांकि, हालिया सम्मेलन के दौरान समुदाय ने जोर देकर कहा, 'थाडौ लोगों का एक विशिष्ट जातीय समूह है, जिसकी अपनी अलग भाषा, संस्कृति, परंपराएं और महान इतिहास है। थाडौ समुदाय न तो कुकी है, न ही कुकी के अधीन है और न ही कुकी का हिस्सा है। यह कुकी से अलग एक स्वतंत्र समुदाय है।' व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जुड़ी प्रवेश परीक्षाओं के लिए मुख्यमंत्री कोचिंग योजना की शुरुआत के अवसर पर सिंह ने कहा, 'शांति जरूर बहाल होगी। थाडौ राज्य की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। थाडौ सम्मेलन में एनआरसी और मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के लिए समर्थन जताए जाने के बाद राज्य के कई नागरिक समाज संगठनों ने इस रुख का स्वागत और सराहना की है।' सिंह ने कहा, 'हम शांति के नाम पर अपनी नीतियों से समझौता नहीं कर सकते। समावेशिता की आड़ में हम हर बाहरी शख्स को अपने यहां जगह नहीं दे सकते। हमें अपने स्वदेशी समुदायों की विशिष्टता और पुराने बाशिंदों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। इस उद्देश्य के चलते हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं।' कोचिंग योजना के बारे में सिंह ने कहा कि इसका मकसद मणिपुर के छात्रों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली जेईई (मेन/एडवांस्ड) और नीट जैसी प्रवेश परीक्षाओं में बैठने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा, 'पढ़े-लिखे, शिक्षित लोगों के संघर्ष में शामिल होने की संभावना कम होती है और वे अपनी वाणी एवं कार्यों में शालीनता बनाए रखेंगे। भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। हमें संविधान के तहत गारंटीकृत अधिकारों को समझना चाहिए।'

मदरसों ने देश को आईएएस, आईपीएस, मंत्री दिए, उन पर संदेह करना गलत

-पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता अब्बास पे की फैसले की तारीफ

-सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मुस्लिम संगठनों और धार्मिक नेताओं ने किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की वैधता को बरकरार रखते हुए मदरसों के संचालन के अधिकारों की पुष्टि की। कोर्ट ने कहा कि यह अधिनियम राज्य की उस जिम्मेदारी के अनुरूप है, जो यह तय करती है कि मान्यता प्राप्त मदरसों में शिक्षा का स्तर ऐसा हो जो छात्रों को समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने और जीविकोपार्जन में सक्षम बनाए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का मुस्लिम संगठनों और धार्मिक नेताओं ने स्वागत किया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिनियम असंवैधानिक नहीं हो सकता क्योंकि इसके जरिए से हजारों लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि अब मदरसे बिना किसी बाधा के स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने भी फैसले की तारीफ की और कहा कि मदरसों ने देश को आईएएस, आईपीएस, मंत्री और राज्यपाल जैसे अहम पद के विराजमान अधिकारी दिए हैं। उन्हें संदेह की नजर से देखना सहीं नहीं है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के मौलाना काब रशीदी ने इसे एक बड़ा संदेश बताया है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का आभार मानते हुए उसका स्वागत किया। सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कोई कानून तभी असंवैधानिक माना जा सकता है जब वह संविधान के भाग-3 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। उन्होंने साफ कहा कि यह कानून राज्य की विधायी क्षमता के अंतर्गत आता है और उच्च न्यायालय ने इसे धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन मानने में गलती की थी।

हालांकि, कोर्ट ने फ़ाज़िल और कामिल जैसी डिग्रियों पर अधिनियम के प्रावधानों को असंवैधानिक माना क्योंकि ये डिग्रियां यूजीसी अधिनियम के तहत आती हैं, जो उच्च शिक्षा को नियंत्रित करती है। इन प्रावधानों को संविधान के केंद्रीय अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण राज्य की विधायी सीमा से बाहर करार दिया। इस फैसले ने मदरसा अधिनियम को संवैधानिक मान्यता देते हुए, मदरसों को स्वतंत्र रूप से शिक्षा प्रदान करने का अधिकार तय किया है, जबकि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यूजीसी के अधिकार क्षेत्र की भी पुष्टि की।

स्टालिन ने फिर छेड़ी उत्तर-दक्षिण की बहस, द्रविड़ियन मॉडल का जिक्र करते हुए जानें क्या कहा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य के कोंगु बेल्ट (तमिलनाडु का पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भाग) के अपने दौरे के दौरान एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि तमिलनाडु के नेतृत्व में दक्षिणी राज्यों की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्र की वृद्धि, जिससे उत्तरी राज्यों को लाभ मिलता है। उन्होंने सफलता का श्रेय तमिलनाडु के शासन के द्रविड़ियन मॉडल को दिया, जिसे उन्होंने समावेशी, लोकप्रिय और विकासात्मक लक्ष्यों से प्रेरित बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रविड़ मॉडल सरकार लोगों के दिलों से जुड़ी हुई है, चाहे उन्होंने हमें वोट दिया हो या नहीं। इसीलिए लोग हमारा समर्थन कर रहे हैं और मुझसे और अधिक की उम्मीद कर रहे हैं। विधानसभा और संसद चुनावों के बीच तुलना करने पर डीएमके की लोकप्रियता बढ़ी है।

स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले पांच दशकों में उत्तरी राज्यों के साथ राज्य की प्रगति की तुलना करते हुए तमिलनाडु की प्रगति देश में एक मॉडल के रूप में खड़ी है। तमिलनाडु अब भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक शहरीकृत राज्य है। हम संयुक्त राष्ट्र के मानकों के अनुरूप विकास पहलों को लागू करने में अग्रणी हैं।

इससे पहले तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि दक्षिण की तरह उत्तर भारत के कई राज्यों में अपनी पहचान और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए कोई फिल्म उद्योग नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य अपनी भाषाओं की रक्षा करने में विफल रहे तो हिंदी हावी हो जाएगी और उनकी पहचान खत्म हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि यही कारण है कि द्रविड़ आंदोलन हिंदी थोपे जाने के खिलाफ है, लेकिन उसमें उस के प्रति कोई द्वेष नहीं है। द्रविड़ राजनीति में साहित्यिक और भाषायी लोकाचार पर उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीतिक आंदोलन, जो अपने मजबूत भाषायी और सांस्कृतिक गौरव के लिए जाना जाता है, ने लंबे समय से साहित्य और को अपने आधार स्तंभ के रूप में रखा है।

दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है, 358 रहा औसत एक्यूआई

- बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में हो रही परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 रहा। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है। दिल्ली वासियों को खासतौर पर बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 7.30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 358 अंक रहा। जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 234, गुरुग्राम में 304, गाजियाबाद में 276, ग्रेटर नोएडा में 274 और नोएडा में 266 एक्यूआई रहा। दिल्ली के चार इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 से ऊपर मापा गया, जिसमें बवाना में 412, मुंडका में 419, एनएसआईटी द्वारका में 447 और वजीरपुर में 421 एक्यूआई दर्ज किया गया। जबकि दिल्ली एनसीआर के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच में दर्ज किया गया। अलीपुर में 372, अशोक विहार में 398, आया नगर में 334, बुराड़ी क्रॉसिंग में 370, चांदनी चौक में 311, मथुरा रोड में 333, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 367, डीटीयू में 355, द्वारका सेक्टर 8 में 355, आईजीआई एयरपोर्ट में 347, आईटीओ में 327, जहांगीरपुरी में 398, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 315 और लोधी रोड में 309 एक्यूआई रहा। इनके अलावा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 354, मंदिर मार्ग में 356, नजफगढ़ में 354, नरेला में 377, नेहरू नगर में 376, न्यू मोती बाग में 381, नॉर्थ कैंपस डीयू में 373, ओखला फेस 2 में 357, पटपड़गंज में 381, पंजाबी बाग में 388, पूषा में 330, आर के पुरम में 373, शादीपुर में 372, सिरी फोर्ट में 341, सोनिया विहार में 354 और दिलशाद गार्डन में 358 एक्यूआई दर्ज किया गया। एक दिन पहले की बात करें तो मंगलवार को सुबह 7.15 बजे तक दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 384 दर्ज किया गया था। दिल्ली के 14 इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 के ऊपर मापा गया था, जबकि 23 स्थानों पर ये 300 से 400 के बीच बना रहा।

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल खेलते समय मैदान पर गिरी आकाशीय बिजली, एक खिलाड़ी की मौत

लीमा, एजेंसी। पेरू में फुटबॉल खेलते समय मैदान पर आकाशीय बिजली गिरने से 1 खिलाड़ी की मौत हो गई। जबकि कई अन्य खिलाड़ी घायल हो गए। इस हादसे का सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया है। यह दुखद घटना पेरू के दो क्लबों जुवेंटुड बेलाविस्टा और फेमिलिया चोका के बीच हुआंकायो में खेले जा रहे मैच के दौरान हुई। बताया जाता है कि भारी बारिश के कारण रेफरी को खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाने के लिए कहना पड़ा। जब खिलाड़ी मैदान से बाहर जा रहे थे, तभी बिजली गिरने से 39 वर्षीय फुटबॉल खिलाड़ी जोस ह्यूगो डे ला क्रूज़ मेसा की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ अन्य खिलाड़ियों को जलने के कारण अस्पताल ले जाया गया। डिफेंडर जोस ह्यूगो डे ला क्रूज़ मेसा की मौत हो गई, जबकि एरिक एस्टिवेन सेंट क्यूलर, जोशेप गुस्तावो पारियोना चोका और क्रिस्टियन सेसर पिटुय काहुआना जैसे खिलाड़ी बिजली के झटके लगने के बाद निगरानी में हैं। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, गोलकीपर जुआन चोका लैक्टा की हालत गंभीर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मैच लगभग 4 बजे शाम को रद्द कर दिया गया था।

चीनी अंतरिक्ष यात्री स्पेस में छह महीने बिताने के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे

बीजिंग, एजेंसी। निचली कक्षा में अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करने के कार्य में छह महीने बिताने वाले तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री सोमवार रात पृथ्वी पर सुरक्षित लौट आए। मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी चीनी एजेंसी ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष यात्री ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर अंतरिक्ष यान 'शेनझोउ-18 का कैप्सूल रात 1:24 बजे (बीजिंग समयानुसार) उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग स्थल पर उतरा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 192 दिन तक कक्षा में रहने के बाद तीनों अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य ठीक है और 'शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। शेनझोउ-18 के मिशन कमांडर गुआंगफू एक वर्ष से अधिक के संचयी अंतरिक्ष उड़ान समय वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। उन्होंने एक चीनी अंतरिक्ष यात्री के रूप में कक्षा में सबसे लंबे समय तक रहने का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। उन्होंने अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक 'शेनझोउ-13 मिशन में अंतरिक्ष यात्री के रूप में कार्य किया था। गुआंगफू ने कहा, ''चीनी अंतरिक्ष यात्रियों ने क्रमिक अभियानों में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी है। मेरा मानना है कि निकट भविष्य में कक्षा में अवधि का रिकॉर्ड टूट जाएगा। वहीं, अन्य अंतरिक्ष यात्री ली गुआंगसु ने कहा कि उन्होंने चेरी टमाटर और सलाद पत्ता के रूप में दो प्रकार के पौधे उगाए तथा भोजन के लिए कुछ सलाद पत्ते काटे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ली के हवाले से कहा, ''अंतरिक्ष में ताजी सब्जियाँ खाने में सक्षम होना वास्तव में एक आशीर्वाद है। ये हरे पौधे हमारे व्यस्त कार्य में भी हरियाली की दमक और अच्छा उत्साह लेकर आए। चीन ने इस साल अप्रैल में 'शेनझोउ-18 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया था। शिन्हुआ के अनुसार, अंतरिक्ष में रहने के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने विज्ञान से जुड़े दर्जनों प्रयोग किए। धरती पर लौटे तीनों अंतरिक्ष यात्रियों की जगह तीन अन्य यात्री 30 अक्टूबर को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे जिनमें एक महिला भी शामिल है। चीन हर छह महीने में स्टेशन के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को बदलता रहता है।

इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर अबू अली रिदा को हवाई हमले में मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि उसने एक शीर्ष हिजबुल्लाह कमांडर, अबू अली रिदा को मार गिराया है। सेना का कहना है कि रिदा दक्षिणी लेबनान के बराअचित क्षेत्र का कमांडर था और इजराइली सेना पर रॉकेट और एंटी-टैंक मिसाइल हमलों की योजना बना रहा था और उन पर हमले करवा रहा था। सेना ने एक बयान में बताया कि रिदा हिज़बुल्लाह के अन्य आतंकवादी गतिविधियों की भी निगरानी कर रहा था और उसे एक हवाई हमले में मार गिराया गया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि उसे कब मारा गया। सितंबर के अंत में इज़राइल और हिज़बुल्लाह के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद से इज़राइल लगातार लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में इज़राइल ने हिज़बुल्लाह के कई प्रमुख नेताओं को मार गिराया है, जिसमें संगठन के पूर्व प्रमुख हसन नसरल्लाह भी शामिल हैं।

अमेरिका में कैसे चुना जाता है नया राष्ट्रपति, क्या है इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की निगाह अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव पर टिकी है। अगर आप सोचते हैं कि अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव लोगों द्वारा सीधी वोटिंग के जरिए होता है तो ऐसा नहीं है। 2016 में, हिलेरी क्लिंटन ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप से करीब 28,00,000 अधिक डायरेक्ट पापुलर वोट हासिल किए थे लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2000 में, जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अल गोर को हराया। हालांकि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार गोर ने पांच लाख से अधिक मतों से पापुलर वोट जीता था। ऐसा इलेक्टोरल कॉलेज की वजह से हुआ था - यह यूएस प्रेसिडेंट चुनाव की एक अनूठी प्रणाली है जिसकी वजह से नतीजे सीधे पापुलर वोट से तय नहीं होते हैं। पापुलर वोट देश भर के नागरिकों द्वारा डाले गए व्यक्तिगत वोटों की कुल संख्या को कहते हैं। यह लोगों की प्रत्यक्ष पसंद को दर्शाता है, जहां हर वोट को समान रूप से गिना जाता है।

अब बात करते हैं इलेक्टोरल कॉलेज की। : 5 नवंबर को अमेरिकी वोटर्स डेमोक्रेट कमला हैरिस या रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप के लिए वोट करेंगे। लेकिन वे वोट सीधे तौर पर यह निर्धारित नहीं करेंगे की कौन जीतेगा। अमेरिकी जब वोट देते हैं, तो वे वास्तव में उन इलेक्टर के ग्रुप के लिए वोट कर रहे होते हैं जो उनकी पसंद का प्रतिनिधित्व करेंगे। ये इलेक्टर फिर अपने राज्य के भीतर लोकप्रिय वोट के आधार पर राष्ट्रपति के लिए वोट करते हैं। दरअसल यूएस प्रेसिडेंशियल चुनाव राष्ट्रीय मुकाबले की जगह पर राज्य-दर-राज्य मुकाबला है। 50 राज्यों में से किसी एक में जीत का मतलब है कि उम्मीदवार को सभी तथाकथित इलेक्टोरल कॉलेज वोट मिल गए। कुल 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं।

राष्ट्रपति पद जीतने के लिए उम्मीदवार को बहुमत - 270 या उससे ज़्यादा - हासिल करने की ज़रूरत होती है। उनका साथी उप-राष्ट्रपति बनता है। यही वजह है कि किसी उम्मीदवार के लिए पूरे देश में कम वोट हासिल होने पर भी राष्ट्रपति बनना संभव है, अगर वह इलेक्टोरल कॉलेज बहुमत हासिल कर ले। प्रत्येक राज्य को एक निश्चित संख्या में इलेक्टर मिलते हैं। इलेक्टर यानी वो लोग जो इलेक्टोरल कॉलेज में वोट करते हैं। प्रत्येक राज्य में इलेक्टर संख्या, मोटे तौर पर उसकी जनसंख्या के आधार के अनुरूप होती है। उदाहरण के लिए, सबसे अधिक आबादी वाले राज्य कैलिफोर्निया में 55 इलेक्टोरल वोट हैं, जबकि व्योमिंग जैसे छोटे राज्य में केवल 3 हैं। अगर कोई उम्मीदवार किसी राज्य में पापुरल वोट जीतता है, तो उसे आमतौर पर सभी इलेक्टोरल वोट भी मिल जाते हैं। उदाहरण के लिए, 2020 में, जो बाइडेन ने कैलिफोर्निया जीता, इसलिए कैलिफोर्निया के सभी 55 इलेक्टोरल वोट उनके खाते में गए। हालांकि हर बार ऐसा नहीं होता। यदि कोई इलेक्टर अपने राज्य के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के खिलाफ वोट करता है, तो उसे विश्वासघाती या फेथलेस कहा जाता है। कुछ राज्यों में, फेथलेस इलेक्टर पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है। अगर कोई भी उम्मीदवार बहुमत हासिल नहीं कर पाता तो हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव, अमेरिकी सांसद का निचला सदन, राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए वोट करता है। ऐसा सिर्फ़ एक बार हुआ है, 1824 में, जब चार उम्मीदवारों में इलेक्टोरल कॉलेज वोट बंट गए जिससे उनमें से किसी एक को भी बहुमत नहीं मिल पाया था। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के मौजूदा प्रभुत्व को देखते हुए, आज ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम अमेरिकी चुनाव की सबसे विवादास्पद व्यवस्था है। हालांकि इसके समर्थक इसके कुछ फायदे गिनाते हैं जैसे छोटे राज्य उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण बने रहते हैं, उम्मीदवारों को पूरे देश की यात्रा करने की ज़रूरत नहीं होती है, और प्रमुख राज्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं आदि।

जबकि इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम के विरोधी तर्क देते हैं कि इस व्यवस्था के तहत लोकप्रिय वोट जीतने वाला चुनाव हार सकता है, कुछ मतदाताओं को लगता है कि उनके व्यक्तिगत वोट का कोई महत्व नहीं है। बहुत ज़्यादा शक्ति तथाकथित स्विंग स्टेट्स में रहती है। स्विंग स्टेट उन राज्यों को कहा जाता है जहां चुनाव किसी भी पक्ष में जा सकता है। प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में पूरा जोर इन्हीं स्विंग स्टेट्स पर होता है।

नहीं रहे माइकल जेक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले क्विंसी जोन्स

वाशिंगटन, एजेंसी। माइकल जेक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले दिग्गज क्विंसी जोन्स का निधन हो गया है। उन्होंने 91 साल की उम्र में अंतिम सांस ली है। क्विंसी जोन्स की मौत से हॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री को तगड़ा झटका लगा है। माइकल और जोन्स की दोस्ती की मिसाल दी जाती थी। जोन्स ने जैक्सन के साथ मिलकर कई हिट एल्बम्स बनाए, जिनमें थ्रिलर और बेड जैसे एल्बम शामिल हैं, जो आज भी दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं। जोन्स के करीबी मित्र अर्नोल्ड रॉबिन्सन ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि क्विंसी जोन्स का निधन रविवार रात को हुआ, जब वह अपने घर में थे। क्विंसी जोन्स के परिवार ने भी उनके निधन के बाद एक बयान जारी कर कहा- आज रात भारी लेकिन टूटा हुआ दिल लेकर हमें अपने पिता और भाई क्विंसी जोन्स के निधन की खबर साझा करनी पड़ी। यह हमारे परिवार के लिए एक अनकही और अपूरणीय क्षति है। हालांकि यह हमारे लिए बहुत दुखद है, हम उनके महान जीवन का जश्न मनाते हैं और जानते हैं कि उनका जैसा कोई दूसरा कभी नहीं होगा। जीते 28 ग्रैमी अवॉर्ड्स क्विंसी जोन्स को कुल 28 ग्रैमी अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया, जो म्यूजिक इंडस्ट्री में एक रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि बताती है कि उनके संगीत और योगदान को किस तरह से सराहा गया। जहाँ एक कलाकार के लिए अपने पूरे करियर में एक या दो ग्रैमी अवॉर्ड प्राप्त करना बड़ी बात होती है, वहीं जोन्स ने इस शानदार उपलब्धि को 28 बार हासिल किया। उनका संगीत ना केवल श्रोताओं के दिलों में बसा बल्कि उनकी रचनाएँ आज भी संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

हैरिस-ट्रंप ने पैन्सिलवेनिया के अखाड़े में बिताया प्रचार का आखिरी दिन

पैन्सिलवेनिया, एजेंसी। अमेरिका में महीनों से चल रही राष्ट्रपति पद की रेस का प्रचार 4 नवंबर की रात को थम गया। अब इंतजार है तो मंगलवार यानि कि आज सुबह 7 बजे से शुरु होने वाले मतदान का जो तय करेगा कि व्हाइट हाउस में अगले 4 साल के लिए कौन सा चेहरा होगा आखिरी दौर में दोनों ही उम्मीदवार जिस एक राज्य पर जोर लगाते नजर हुए आए वो है पैनस्लिवेनिया। प्रचार के आखिरी दिन कमला हैरिस और डॉनल्ड ट्रंप ने सूबे के पिट्सबर्ग में बड़ी रैलियों को संबोधित किया। कमला हैरिस ने तो प्रचार का आखिरी दिन लगभग पैन्सिलवेनिया में ही बिताया। बीते कई हफ्तों से अमेरिकी चुनाव के दोनों महारथी अपना सारा जोर सात सूबों के 93 इलेक्टोरल कॉलेज मतों को अपने लिए जुटाने पर लगा रहे थे। इसमें भी सबसे ज्यादा 19 इलेक्टोरल कॉलेज वोट का वजन पैनसिल्वेनिया के पास है। विस्कॉन्सन, मिशिगन, एरिजोना, नॉर्थ कौरोलाइना, जॉर्जिया और नेवादा के बीच बंटे शेष 74 मतों के लिए दोनों ही खेमे ताकत झोंकते नजर आए। इस बीच अमेरिका में 7.91 करोड़ वोट पहले ही डाले जा चुके हैं। वहीं एरिजोना जैसे सूबे में तो मतदान की तारीख से पहले डाले गए मतों की छंटनी का काम भी शुरु हो गया।

अमेरिका के रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर ट्रम्प के खिलाफ, बोले- डोनाल्ड राष्ट्रपति बने तो देश की सुरक्षा और संविधान को खतरा, वे हिटलर के समर्थक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रेसिडेंट के लिए होने वाले चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। 7 नवंबर को रिजल्ट आने शुरू हो जाएंगे। इससे पहले अमेरिका के रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर्स ने डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि ट्रम्प तानाशाह हैं, वह हिटलर के काम की तारीफ करते हैं। अगर वह सत्ता में आए तो देश की सुरक्षा और संविधान को खतरा होगा। ट्रम्प अपने विरोधियों पर सैन्य बल का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रम्प पर आरोप लगाने वालों में उनके पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ जॉन केली सहित कई ऐसे अफसर हैं जो उनके राष्ट्रपति रहते हुए महत्वपूर्ण पदों पर थे। 2017 से 2019 तक ट्रम्प प्रशासन में सबसे लंबे समय तक चीफ ऑफ स्टाफ रहे रिटायर्ड मरीन जनरल जॉन केली का कहना है कि ट्रम्प ने घायल सैनिकों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था।ट्रम्प और बाइडेन के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष रहे मार्क मिल्ली भी ट्रम्प को देश के लिए सबसे खतरनाक व्यक्ति कह चुके हैं। मिल्ली का कहना है कि ट्रम्प के सत्ता से बाहर होने के बाद भी उनकी चिंताएं बरकरार हैं।

ट्रम्प की नीतियों के विरोध में रक्षा सचिव ने इस्तीफा दिया था ट्रम्प के कार्यकाल में जिम मैटिस अमेरिका के रक्षा सचिव थे। 2018 में उन्होंने ट्रम्प की नीतियों के विरोध में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने ट्रम्प को संविधान के लिए खतरा बताया। 2020 में एक अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद हुए विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए ट्रम्प ने सेना का उपयोग किया था। तब मैटिस ने कहा था- राष्ट्रपति का ये कदम संविधान का मजाक है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में ट्रम्प के साथ काम करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल एच.आर. मैकमास्टर ने कहा था- ट्रम्प के निर्णय असामान्य और कभी-कभी तो खतरनाक होते थे।

2023 में पूर्व रक्षा सचिव मार्क एस्पर ने भी ट्रम्प को सुरक्षा के लिए खतरा बताया था।

ट्रम्प का विरोध करने वाले सैन्य अधिकारियों में जनरल स्टेनली मैकक्रिस्टल, एडमिरल माइक मुलन, नाटो के पूर्व सुप्रीम अलाइड कमांडर जेम्स स्टैवरिडिस भी शामिल हैं। इन सभी ने ट्रम्प के प्रशासनिक फैसलों और सेना के राजनीतिकरण की आलोचना की है। दंगाइयों को रोकने सेना लगाने की बात कह चुके हैं ट्रम्प हाल ही में फॉक्स न्यूज को दिए इन्टरव्यू में ट्रम्प दंगाइयों को देश का दुश्मन बताते हुए सेना लगाने की वकालत कर चुके हैं। चुनाव वाले दिन संभावित हिंसा के सवाल पर उन्होंने कहा कि, हमारे बीच कुछ ज्यादा ही बुरे लोग मौजूद हैं, ये सिर्फ मेरे नहीं बल्कि अमेरिका के दुश्मन हैं, इनसे सेना ही निपट सकती है। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन पर जमकर निशाना साधा था। प्रेसिडेंट कैंडिडेट कमला हैरिस का कहना था कि वे अपने विरोधियों से नफरत करते हैं, अगर ट्रम्प राष्ट्रपति बनते हैं तो विरोध करने पर गोली मारने का आदेश दे देंगे

मालदीव ने पाकिस्तान से अपने हाई कमिश्नर को वापस बुलाया

बिना इजाजत तालिबानी डिप्लोमैट से मुलाकात की थी ; विदेश मंत्रालय बोला– उन पर कार्रवाई होगी

माले, एजेंसी। मालदीव ने पाकिस्तान में मौजूद अपने हाई कमिश्नर मोहम्मद तोहा को वापस बुलाने बुलाने का फैसला किया है। दरअसल, तोहा ने 1 नवंबर को इस्लामाबाद में तालिबान के डिप्लोमैट सरदार अहमद शाकीब से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच अफगानिस्तान-मालदीव के रिश्तों पर चर्चा हुई। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अपने हाई कमिश्नर को इस बैठक की इजाजत नहीं दी थी। इसी वजह से सरकार ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक इस्लामाबाद में मौजूद मालदीव मिशन की वेबसाइट से भी तोहा का नाम हटा दिया गया है। मालदीव की लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तोहा को इस साल जुलाई में पाकिस्तान में बतौर हाई कमिश्नर भेजा गया था। मालदीव की सरकार ने तोहा के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। सेंट्रल एशियाई देशों से कूटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिश में तालिबान 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से अब तक किसी भी देश ने उसकी सरकार को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, 3 साल से अफगानी सत्ता पर काबिज तालिबान कई देशों से कूटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान, चीन, रूस और ईरान जैसे कई सेंट्रल एशियाई देशों ने अफगानिस्तान के डिप्लोमैटिक रिश्तों की शुरुआत की है। हालांकि, काबुल में अब भी सभी पश्चिमी देशों के दूतावासों पर ताला जड़ा हुआ। साउथ एशिया के सबसे छोटे इस्लामिक देश मालदीव ने भी अब तक तालिबान की सत्ता को मान्यता नहीं दी है। तालिबानी मंत्री ने कहा था- भारत से रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं मार्च में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने भारत के एक डेलिगेशन से मुलाकात की थी। तब मुत्ताकी ने कहा था कि हम भारत के साथ राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर रिश्तों को मजबूत करना चाहते हैं। इस दौरान विदेश मंत्री ने भारत से अफगान व्यापारियों, छात्रों और मरीजों के लिए वीजा लेने की प्रक्रिया आसान करने की अपील की थी। फरवरी में भारत के डिप्टी एनएसए विक्रम मिस्री ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में अफगानिस्तान को लेकर हुई बैठक को संबोधित किया था। मिस्री ने कहा था- भारत के हित अफगानिस्तान से जुड़े हुए हैं। अफगानिस्तान का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों को पनाह और ट्रेनिंग देने के लिए नहीं होना चाहिए। कूटनीतिक मान्यता की मांग कर रहा तालिबान तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से वो लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने अल-अरेबिया न्यूज चैनल को एक इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था- सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के खिलाफ फूटा गुस्सा, सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। हजारों भारतीय-कनाडाई लोग ग्रेटर टोरंटो एरिया में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदार खालिस्तान समर्थक तत्वों के विरोध में रैली निकाली। सोमवार को विरोध प्रदर्शन में लगभग 5 हजार भारतीय-कनाडाई शामिल हुए। मौके पर पुलिस बल की कड़ी तैनाती थी। मंदिर के सामने का रास्ता बंद होने के कारण उन्होंने द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय पुलिस की ओर से इसे गैरकानूनी सभा घोषित कर दिया गया, जिसके बाद देर शाम रैली तितर-बितर हो गई। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन में हथियार भी देखे गए थे। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में रविवार को हिंदू महासभा मंदिर को चरमपंथियों ने अपना निशाना बनाया था। पील क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर में विरोध प्रदर्शन हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान समर्थक बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो में लोग एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते और डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं। यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।

खालिस्तान समर्थक प्रदर्शन में भाग लेने पर अधिकारी सस्पेंड : पील रीजनल पुलिस ने पुष्टि की कि उसने खालिस्तान समर्थक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए एक अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। एक प्रवक्ता ने कहा, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से हम अवगत हैं। इसमें ऑफ-ड्यूटी पील पुलिस अफसर को प्रदर्शन में शामिल दिखाया गया है। इस अधिकारी को सामुदायिक सुरक्षा और पुलिस अधिनियम के अनुसार निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वीडियो में दर्शाई गई परिस्थितियों की जांच की जा रही है और जब तक यह जांच पूरी नहीं हो जाती, हम आगे की जानकारी नहीं दे सकते हैं। भारत ने इसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संबंध में एक्स पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन कायम रखेगी। मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं।

कनाडा में मंदिर पर हमला, पुलिस अधिकारी सस्पेंडखालिस्तानी झंडा लहराया था

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के प्रदर्शन में शामिल होने वाले एक पुलिस अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, हरिंदर सोही नाम का व्यक्ति पील रीजनल पुलिस टीम में अधिकारी के पद पर है। वह रविवार को मंदिर के बाहर खालिस्तानी झंडा लहराता नजर आया था। पील पुलिस के मीडिया ऑफिसर रिचर्ड चिन ने बताया कि पुलिस को मंदिर के बाहर हिंसा से जुड़े फुटेज मिले हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसमें पुलिस अधिकारी प्रदर्शन में शामिल नजर आ रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

अब तक 3 लोगों पर हिंदू मंदिर के बाहर भारतीय कॉन्सुलर अधिकारियों पर हमले के मामले में केस दर्ज किया गया है। पील पुलिस ने बताया कि मंदिर के बाहर हिंसा के बाहर उसके आसपास दूसरी जगहों पर भी प्रदर्शन के मामले सामने आए। जयशंकर बोले- कनाडा को बिना सबूत आरोप लगाने की आदत पड़ी पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने कहा कि उन्हें पहले ही हमले की जानकारी मिली थी। सभी को प्रदर्शन करने और अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन इस दौरान किसी भी तरह की हिंसा या अपराध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। हिंसा में जो लोग शामिल थे, उन्हें गिरफ्तार करके सजा दी जाएगी। दूसरी तरफ, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कनाडा में मंदिर पर हमले का मामला चिंतित करने वाला है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गए जयशंकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि क्क्रूमोदी ने भी इस मामले में चिंता जताई है। कनाडा में भारतीय डिप्लोमैट्स की जासूसी को भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्हें बिना किसी सबूत के आरोप लगाने की आदत पड़ गई है। पुलिस ने भी श्रद्धालुओं से की थी मारपीट दरअसल, ब्रैम्पटन में 3 नवंबर को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया था। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए थे। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने कहा कि हमें कनाडा सरकार से कार्रवाई की उम्मीद है। ऐसी घटनाएं हमें कमजोर नहीं कर सकतीं। वहीं विदेश मंत्रालय ने भी कनाडा की सरकार से पूजास्थलों की रक्षा की अपील की थी। इससे पहले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है। कनाडा में पहले भी हो चुके हैं हिंदू मंदिरों पर हमले कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था। इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के 40 साल पूरे होने को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे खालिस्तानी वहां पहुंचे और उन्होंने लोगों पर हमला कर दिया। कनाडा में पिछले कुछ समय से हिंदू मंदिरों और समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने से भारतीय समुदाय चिंतित है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा में बाकी जगहों पर हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया है। भारत का आरोप-वोट बैंक के लिए भारत विरोधी राजनीति कर रहे पीएम ट्रूडो भारत और कनाडा के बीच संबंधों में एक साल से भी ज्यादा समय से गिरावट देखी गई है।

एडीएम एफ,आर और जिला सूचना अधिकारी ने दी आपदा से बचाव हेतु सम्बंधित एपों और 1070 हैल्प लाईन की जानकारी जानकारी होने पर सावधानी रखने से ही बचाव हो सकता है: एडीएम एफ आर सौरभ भट्ट

आपदा से बचाव हेतु दामिनी, सचेत, मौसम, मेघदूत, भूकम्प एपों को करें अपने मोबाइल में डाउनलोड: योगेन्द्र प्रताप सिंह डीआईओ। योगेन्द्र प्रताप सिंह ने किया मीडिया बंधुओं से अपील, कहा दामिनी एप और 1070 का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर जनहित, देशहित में करें कार्य

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के आदेशों के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा समय,समय पर जागरूकता अभियान चलाये जाते हैं और इन जागरूकता अभियानों का प्रचार,प्रसार जिला सूचना कार्यालय द्वारा समाचार पत्रों एवं इलैक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से कराया जाता है। इसी के क्रम में एडीएम एफ,आर सौरभ भट्ट एवं योगेन्द्र प्रताप सिंह जिला सूचना अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा अपने कार्यालय सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर, गाजियाबाद में प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन कर दामिनी एप एवं 1070 आपातकालीन नम्बर सहित अन्य आपदा से सम्बंधित एपों के बारे में जानकारी दी गयी। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एडीएम एफ,आर सौरभ भट्ट एवं जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रतात सिंह ने बताया कि दामिनी ऐप, आकाशीय बिजली से जुड़ी जानकारी देने वाला ऐप है। यह ऐप मौसम विज्ञान विभाग और आईआईटीएम पुणे ने मिलकर बनाया है। यह ऐप, 20 से 40 किलोमीटर के दायरे में बिजली गिरने की संभावना के बारे में अलर्ट करता है। यह ऐप, बिजली गिरने की संभावना के बारे में कलर कोडिंग अलर्ट सिस्टम, इसरो सैटलाइट इंस्टॉलेशन, और रडार सेंसर के जरिए जानकारी देता है। यह ऐप, बिजली गिरने की संभावना के साथ-साथ, बिजली गिरने के बाद बचाव के उपाय और प्राथमिक चिकित्सा से जुड़ी जानकारी भी देता है। यह ऐप, गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। यह ऐप, खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद है। बिजली गिरने से होने वाली जन-धन हानि को कम करने के लिए यह ऐप बहुत मददगार साबित हो सकता है। इसके साथ आपदा से बचाव हेतु दामिनी, सचेत, मौसम, मेघदूत, भूकम्प एपों को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें और जानकारियों से लाभ प्राप्त करें, क्योंकि जानकारी होने पर सावधानी बरतने ही बचाव हो सकता है। योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इसके साथ ही राहत कार्य को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। लोग बाढ़, अग्नि दुर्घटना, आकाशीय बिजली दुर्घटना, सर्पदंश जैसी आपदाओं में सहायता के लिए डॉयल 1070-आपदा प्रबंधन आपातकालीन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। आपदा सम्बंधित सभी एपों को अपने मोबाइल में डाउनलोड जानकारी अवश्य प्राप्त करें। उन्होने कहा कि हमें आपदा सम्बंधित क्षेत्र में बचाव हेतु जानकारी होनी चाहिए और जानकारी होने के साथ ही सावधानी रखनी भी आवश्यक है तभी हम अपना और अपनों सहित अन्य का बचाव कर सकते हैं। उन्होने मीडिया बंधुओं से अपील की कि उक्त जानकारी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर जनहित, देशहित में कार्य करें। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य रूप से ज्ञान उपाध्याय, नरेश, डॉ.बी.जमा, कपिल नेहरा, अपूर्वा, ललित, शतीश कुमार, आशा चौधरी, राम प्रताप सिंह, संजय मित्तल, अमित राणा, सुनील कुमार, विकास तिवारी, अभिषेक शर्मा, संजीव वर्मा सहित बड़ी संख्या में अन्य मीडिया बंधु उपस्थित रहे।

8 नवंबर को पन्ना प्रमुख सम्मेलन में गाजियाबाद पहुंचेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

शहर विधानसभा उप चुनाव के मुख्य चुनाव संयोजक एवं पूर्व महापौर आशु वर्मा के हवाले से भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 8 नवंबर को 4:00 बजे नेहरू नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में पन्ना प्रमुख सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचेंगे। पन्ना प्रमुख सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा कार्यकताओं को संबोधित कर यथास्थिति का आकलन करते हुए उनका मार्गदर्शन करेंगे।

जीडीए को संपति नीलाम कर प्राप्त हुए 58.11 करोड़

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स की मेहनत का रही है रंग । किसी समय जीडीए के कोष को बताया जाता था घाटे में। पूर्णकालिक वीसी मिलने का प्राधिकरण को मिल रहा है मुनाफे का सौदा। उपाध्यक्ष अतुल जी के कार्यकाल में जिस निति गत से चल रहा है कार्य प्राधिकरण को जल्द ही अपने धन कोष में देखने को मिलेगा इजाफा। उपाध्यक्ष के निदेर्शानुसार गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में रिक्त सम्पत्तियों को नीलामी के माध्यम से विक्रय करने हेतु दिनांक बीते 04 अक्टूबर से 04 नवम्बर तक एच0डी0एफ0सी0 बैंक के माध्यम से आवेदन फार्म का विक्रय किया गया था। प्राप्त आवेदन फार्मों के क्रम में हिन्दी भवन, लोहियानगर में आज दिनांक 06 नवंबर दिन बृहस्पतिवार को नीलामी की गयी, जिसमें गोविन्दपुरम योजना के कुल 14 आवासीय भवनों से रुपए 18.15 करोड़, गोविन्दपुरम योजना के एक आवासीय भूखण्ड से 0.57 करोड़, राधाकुंज योजना ब्रिज विहार के एक भूखण्ड से 1.44 करोड़, इन्दिरापुरम योजना के 03 आवासीय भूखण्डों से 21.70 करोड़, इन्दिरापुरम योजना की 01 दुकान भूखण्ड से 1.09 करोड़, इन्दिरापुरम योजना के 01 पेट्रोल पम्प भूखण्ड से 12.89 करोड़, शास्त्रीनगर योजना के 01 आवासीय भूखण्ड से 2.04 करोड़ एवं यू0पी0 बोर्डर के 01 दुकान भूखण्ड से 0.21 करोड़ में नीलामी के माध्यम से विक्रय किया गया जिससे प्राधिकरण को लगभग कुल रु0 58.11 करोड़ की आय प्राप्त होगी।

शहर के वरिष्ठ नागरिकों ने दिया भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा को जीत का आशीर्वाद

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

भारतीय जनता पार्टी पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय महामंत्री अनुसूचित मोर्चा प्रदीप चौहान द्वारा वार्ड नंबर 19 में जी ब्लॉक में वार्ड के सीनियर सिटीजनों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें संपूर्ण वार्ड ने अपना समर्थन विधानसभा उप चुनाव हेतु संजीव शर्मा को दिया। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि घर के मुखिया को चुनाव वाले दिन सबसे पहले अपनी और परिवार की वोट डलवानी है। उसके बाद अपने साथ बैठने घूमने वाले साथियों के परिवार की वोट डलवाने की चिंता करनी है। इतना करने मात्र से आपका आशीर्वाद निश्चित तौर पर सार्थक होगा। भाजपा नेता प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता ने पूरी मेहनत और ईमानदारी और निष्ठा के साथ घर-घर जाकर जनसंपर्क किया है और चुनाव तक जनसंपर्क अभियान जारी रहेगा। अब हमारी जीत के अंतर को बढ़ाने की तैयारी है। इस अवसर पर शहर मंडल की प्रभारी मोनिका पण्डिता ने सभी लोगों से अपील की कि वह 20 तारीख के चुनाव को अपनी जिम्मेदारी समझे यह चुनाव राष्ट्रवाद का चुनाव है। एक स्थान पर विरोधी ताकतें प्रदेश को जाति के नाम पर बांटने के लिए खड़ी है परंतु हम सभी को मोदी और योगी के विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करना है उनका समर्थन देना ही इस चुनाव का उद्देश्य है। अतः सभी से अनुरोध है कि आने वाली 20 तारीख को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करें और कराएं। इस अवसर पर पूर्व पार्षद लवली कौर रोबिन त्यागी वार्ड अध्यक्ष रोहित चौहान शहर मंडल की प्रभारी मोनिका पंडित सुमन सक्सेना वंदना कौर , शिरोमणि त्यागी, मीना गांधी आरती बतला रमेश बंसल जितेंद्र गोयल भूत अध्यक्ष विभोर गुप्ता पायलट राकेश त्यागी राजेश्वरी बहन छाया गुप्ता अजय देवगन सागर ढाकोलिया विपिन सेल शमी नारंग विनोद कुमार सुरेंद्रनाथ सिंघल सुनील मित्तल शक्ति जीनवाल प्रवीण गहलोत संजय तक पी के तक जावेद खान सैफ रविंदर कौर वीरेंद्र पांडे राजीव गोयल आजाद गहलोत नीरज वाल्मीकि सनी वाल्मीकि महेंद्र गोयल अशोक कुमार पुनिया सुमित त्यागी अशोक कुमार वर्मा सुरेंद्रनाथ सिंघल जॉनी जीनवाल महावीर सिंह राजेश गुप्ता मोहित अग्रवाल विभव गोयल वीरेंद्र कंडेरा रेखा देवी सागर ढाकोलिया विपिन सील आदि सैकड़ो कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित रहे ।

गाजियाबाद सदर में होने वाले चुनाव में व्यय निरीक्षण की तारीखों में हुआ बदलाव

व्यय निरीक्षण की तिथियों में संसोधन, 08-11-2024 को द्वितीय व 17-11-2024 को होगी तृतीय व्यय निरीक्षण बैठक

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

भारत निर्वाचन आयोग के पत्र के द्वारा मतदान की तिथि आगामी 13 नवंबर से 20 नवंबर संशोधित की गयी है। अतः मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ० प्र० लखनऊ के पत्र जो दिनांक बीते 28 अक्टूबर एवं विधान सभा सामान्य उपनिर्वाचन 2024 में भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशो का सार संग्रह के अनुसलग्नक-ग 15 के अनुपालन में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियो का व्यय लेखा, माननीय व्यय प्रेक्षक, महोदय के अनुसार निरीक्षण की तिथि में संसोधन करते हुए द्वितीय व्यय निरीक्षण दिनांक आगामी 08 नवंबर व तृतीय व्यय निरीक्षण 17 नवम्बर को पूर्वाहन 10 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक किया जायेगा। अतः समस्त अभ्यर्थी जो विधान सभा सामान्य उपनिर्वाचन के निर्वाचन प्रत्याशी है उपरोक्त तिथियो में स्वयं अथवा उनके निर्वाचन व्यय अभिकर्ता निर्धारित तिथि समय पर विकास भवन के रानी दुर्गावती देवी सभागार में उपस्थित होकर अपना व्यय लेखा प्रस्तुत करें। निर्वाचन व्यय लेखा प्रस्तुत करने हेतु दैनिक व्यय लेखा पंजिका, नगद पंजिका, बैंक पंजिका, वाउचर, बैंक स्टेटमेन्ट की छाया प्रतियां तीन सेट में प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। लेखा प्रस्तुत करने की तिथि को एक दिन पूर्व तक का लेखा प्रस्तुत करना होगा। अतः निर्धारित तिथियो में व्यय लेखा प्रस्तुत न करने की स्थिति में सम्बन्धित अभ्यर्थियो के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उनके जनसभा तथा वाहन की परमिशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने सम्बन्धी कार्यवाही की जा सकती है। जानकारी अपर जिलाधिकारी सौरभ भट्ट (वि० एवं रा०) प्रभारी नि० व्यय अनुवीक्षण अधिकारी वि० स० सा० उपनि०- 2024

यूपी सरकार मुन सकेगी डीजीपी , योगी कैबिनेट ने दी नियमावली की दी मंजूरी

संस्कार उजाला

उत्तर प्रदेश सरकार ने डीजीपी की नियुक्ति को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चयन नियमावली 2024 को मंजूरी दे दी है। इससे डीजीपी की नियुक्ति अब राज्य स्तर से ही हो सकेगा। यूपीएसएसी को पैनल नहीं भेजना पड़ेगा। डीजीपी का कार्यकाल भी दो साल का रहेगा। रिटायर्ड हाई कोर्ट जज की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय कमेटी डीजीपी का चयन करेगी। कमेटी में मुख्य सचिव, यूपीएसएसी की तरफ से नामित एक अफसर, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या उनकी ओर से नामित व्यक्ति, अपर मुख्य सचिव या प्रमुख गृह सचिव और एक रिटायर्ड डीजीपी शामिल रहेंगे। आपको बताते चले उत्तर प्रदेश में नहीं हो सकी है पिछले तीन सालों से स्थायी डीजीपी की नियुक्ति।अब नई नियमावली बनने के बाद अब सरकार को स्थायी तौर पर डीजीपी की नियुक्ति के लिए यूपीएसएसी की मंजूरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कही वर्ष 2006 में यह बात वर्ष 2006 में सुप्रीम कोर्ट ने डीजीपी की नियुक्ति को लेकर एक याचिका की सुनवाई के दौरान पुलिस व्यवस्था को सभी दबाव से मुक्त करने के लिए राज्य सरकारों से नई व्यवस्था बनाने की अपेक्षा की थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, पंजाब और तेलंगाना की सरकारों ने डीजीपी की नियुक्ति से संबंधित नियमावली बना रखी है। नियमावली में देश का चौथा राज्य उत्तर प्रदेश इस तरह से डीजीपी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली बनाने वाला उत्तर प्रदेश चौथा राज्य बन गया है। इस नियमावली में स्पष्ट किया गया है कि अब डीजीपी की नियुक्ति आईपीएस अफसर के बेहतर सेवा रेकॉर्ड और अनुभव के आधार पर क ी जाएगी। उ न्ह ी अफसरों को नियुक्ति के लिए तवज्जो दी जाएगी जिनका कम से कम छह महीने का कार्यकाल बचा हो। डीजीपी की नियुक्ति कम से कम दो साल के लिए की जाएगी, लेकिन काम से असंतुष्ट होने पर यूपी सरकार उन्हें पद से हटा भी सकती है। इससे पहले यूपी में डीजीपी चयन की यह व्यवस्था थी कि सरकार पुलिस सेवा में 30 साल पूरा कर चुके उन अफसरों का नाम यूपीएससी को भेजती थी जिनका कम से कम छह महीने का कार्यकाल शेष बचा हो। यूपीएससी सरकार को तीन अफसरों के नाम का पैनल भेजा था, जिसमें से सरकार किसी एक अफसर को डीजीपी बनाती थी। कार्यवाहक डीजीपी प्रशांत कुमार के नाम पर हो सकता है विचार इस समय प्रशांत कुमार यूपी के कार्यवाहक डीजीपी हैं। वह 31 मई, 2025 को रिटायर होने वाले हैं। अभी उनके रिटायर होने में छह महीने से ज्यादा समय है, इसलिए नई नियमावली लागू होने पर चयन कमेटी प्रशांत कुमार के नाम पर भी विचार कर सकती है। बॉक्स में योगी कैबिनेट ने चयन नियमावली 2024 को मंजूरी दे दी है अब यूपी सरकार ही सीधे डीजीपी का चयन कर सकेगी यूपीएससी को नहीं भेजना पड़ेगा अधिकारियों का नाम

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डोली शर्मा के खिलाफ दर्ज मुकदमे को समाप्त करने से किया इनकार।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद :- लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के द्वारा वर्ष 2024 की कांग्रेस से गाजियाबाद की लोकसभा प्रत्याशी डोली शर्मा के विरुद्ध एक मुकदमा दर्ज कराया गया जिसमें डोली शर्मा ने एक क्रिमिनल रिट माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपने खिलाफ दर्ज हुए मुकदमे की बाबत दाखिल की जिसमें माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने डॉली शर्मा के खिलाफ दर्ज मुकदमे को संज्ञेय अपराध होने के कारण समाप्त करने से इनकार किया तथा 7 साल तक की सजा के अपराध होने के कारण अथॉरिटी को गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन करने का आदेश करते हुए रिट का निस्तारण किया

न कोई संशय न कोई भूल प्रत्येक समाज के साथ जाटव समाज भी खिला रहा है कमल का फूल: सुनील शर्मा

संस्कार उजाला

गाज़ियाबाद (आशा चौधरी)

यह बात भाजपा की चुनाव संचालन समिति में गाजियाबाद विधानसभा के विधायक रहे तथा साहिबाबाद विधानसभा के विधायक और योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने चुनाव संचालन समिति के कार्यकताओं के समक्ष कही। उन्होंने कहा कि मुझे भी जीत दिलाने में हर वर्ग के मतदाता का सहयोग रहा है। उन्होंने अपने चुनाव की बात करते हुए बताया कि मुझे विधानसभा चुनाव में 68 प्रतिशत वोट मिला। जिनमें से 48 प्रतिशत एससी एसटी और ओबीसी का ही हिस्सा रहा। इसलिए इस बार भी भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा की जीत को सभी वर्ग मिलकर अपना मतदान करते हुए ऐतिहासिक बनाने वाले। उन्होंने कहा न कोई संशय न कोई भूल सभी वर्ग मिलकर खिलाएंगे कमल का फूल। चुनाव संयोजक एवं पूर्व पूर्व महापौर आशु वर्मा के द्वारा नवयुग मार्केट स्थित मुख्य चुनाव कार्यालय पर एक चुनाव संचालन समिति की बैठक का आवाहन किया गया था। संचालन समिति की बैठक में सांसद अतुल गर्ग, पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर , योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा एवं मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, चुनाव प्रभारी हिमांशु मित्तल ने संचालन समिति की बैठक को अलग अलग अनुभवों को लेकर कार्यकताओं को संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने अपने अलग-अलग संबोधन में मुख्य रूप से चुनाव को किसी भी हालत में शिथिल ना पढ़ने देने मशविरा दिया और कहा यह एक उपचुनाव है जिसमें आम जनता की रुचि को घर-घर जाकर ही जागृत किया जा सकता है अन्यथा पिछले चुनाव के परिणाम वोटिंग प्रतिशत में बड़े हैरान कर देने वाले रहे हैं। उनका सबक लेते हुए हर हाल में हमें 50 से 55 प्रतिशत मतदान करने की योजना के अनुरूप कार्यकताओं को घर घर जाना होगा। चुनाव के मूल मंत्र बूथ जीता तो चुनाव जीता को साकार करते हुए हमें बूथ पर कार्य करने के लिए डट जाना है। मंत्री कपिल अग्रवाल ने कहा कहा कोई छूटे न कोई रूठे न। उन्होंने कहा विशेषकर चुनाव के दौरान सूचना के तंत्र को मजबूत रखते हुए सभी को साथ लेकर चलना है। प्रभारी हिमांशु मित्तल ने चुनावी टोली में लगे सभी कार्यकताओं को बहुत सौभाग्यशाली बताया कि ये वो लोग हैं जो लोकतंत्र के पर्व में देश और प्रदेश में सुशासन व विकसित भारत का संकल्प लेने वाली पार्टी सरकार के साथ सीधा जुड़कर पार्टी एवं सरकार के संकल्प को साकार करने में लगे हैं। चुनाव संयोजक पूर्व महापौर आशु वर्मा ने बताया भाजपा का प्रत्याशी तो जीत ही रहा है के अति आत्म विश्वास को मन में बसाकर अपने काम की धार को कुंद नहीं करना है। बल्कि अपनी जीत के आत्मविश्वास को लेकर परिश्रम की पराकाष्ठा तक कार्य करते रहना है। तभी जीत का इतिहास बनेगा। वोटिंग प्रतिशत हमारे लिए बड़ी चुनौती है जिसके लिए प्रत्येक नेता, कार्यकर्ता को बूथ पर जाकर ही कार्य करना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011